!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

वर्ष-11। अंक 106। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर,
सोमवार,
21 अप्रैल,
2025

मुख्यमंत्री ने 785 करोड़ लागत के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमि-पूजन

मंदसौर और नीमच जिले में एक भी खेत नहीं रहेगा सिंचाई से वंचित : सीएम डॉ. यादव

नीमच जिले के जावद में किया सांदीपनि विद्यालय भवन का लोकार्पण

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मंदसौर और नीमच जिले के हर खेत को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रदेश को दी गई दो बड़ी राष्ट्रीय नदी जोड़ों परियोजना से पूरा मालवा क्षेत्र भी लाभान्वित होगा। किसानों को सोलर पम्प देकर उन्हें बिजली बिल से मुक्ति दिलाई जायेगी। किसान अब खुद सोलर प्लांट से बिजली उत्पादन करेंगे। अधिक बिजली उत्पादन होने की स्थिति में किसानों से सरकार बिजली भी खरीदेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को नीमच जिले के जावद में महर्षि सांदीपनि विद्यालय का लोकार्पण कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 785 करोड़ रूपये की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी किया। साथ ही मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप वितरित किये।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जावद में बने महर्षि सांदीपनि विद्यालय का भवन बहुत ही अद्भुत और सर्व सुविधा युक्त हैं। सांदीपनि विद्यालय परियोजना मध्यप्रदेश शासन की एक महत्वाकांक्षी पहल है, जो गरीब वर्ग के विद्यार्थियों को भी विश्व-स्तरीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रधानमंत्री मोदी के विज़न के साथ प्रारंभ की गई है। सांदीपनि विद्यालयों में सर्व संसाधन युक्त अधोसंरचना विकसित की गई है। इस विद्यालय में 1 कि.मी. से 15 कि.मी. दूरी से आने वाले बच्चों के लिए परिवहन सुविधा भी उपलब्ध करवाई गई है। विद्यार्थियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विषयवार शिक्षकों के साथ-साथ संगीत शिक्षक, नृत्य शिक्षक, कम्प्यूटर शिक्षक, खेल शिक्षक, मनोवैज्ञानिक, कॅरियर काउंसलर आदि भी नियुक्त किये गये है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया सुविधि रेयॉन्स प्राइवेट लिमिटेड यूनिट मोरवन, का भूमि-पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुविधि रेयॉन्स प्राइवेट लिमिटेड का भूमि-पूजन किया। इस परियोजना से नीमच को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर टेक्सटाइल हब के रुप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। यह परियोजना 31 हेक्टेयर क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये के निवेश से विकसित की जाएगी, जिससे लगभग 2000 प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह इकाई "फार्म टू फैशन" की अवधारणा को रुप देगी, जिसमें कच्चे माल की खरीद किसानों से लेकर फिनिश्ड फैब्रिक तक की संपूर्ण प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संपन्न होगी। यह एक पूर्णतः एकीकृत टेक्सटाइल पार्क होगा, जिसमें 168 आधुनिक लूम्स, 30,000 स्पिंडल्स और तीन प्रोसेसिंग हाउस स्थापित किए जाएंगे। नीमच अब टेक्सटाइल क्षेत्र में नया इतिहास लिखने को तैयार है, जो मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर भारत के सपने की ओर अग्रसर करेगा।"

मुख्यमंत्री ने की कई महत्वपूर्ण घोषणाएं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि सुखानंद तीर्थ स्थल को धार्मिक पर्यटन का केंद्र बनाया जाएगा। थड़ोद स्थित हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल में उन्नयन किया जाएगा। सिंगोली स्थित स्वास्थ्य केंद्र का परीक्षण कर उन्नयन की कार्यवाही होगी। जावद में स्थित स्वास्थ्य केंद्र को 100 बिस्तरीय कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एशिया में चीते प्रोजेक्ट की शुरुआत हुई है। मध्यप्रदेश ने इस प्रोजेक्ट में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। प्राणियों के लिए भी सरकार ने चिंता की है। चीते की मध्यप्रदेश में अच्छी ग्रोथ देखने को मिली है। गांधीसागर में वन्य प्राणियों से लोगों को रोजगार मिलेगा। पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इको सिस्टम अच्छा बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में 10वीं और 12वीं कक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप प्रदान किए।

सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा कि मध्यप्रदेश नई दिशा की तरफ आगे बढ़ रहा है। प्रत्येक सप्ताह कुछ न कुछ नया देखने को मिल रहा है। आज नागरिकों के लिए बहुत ही खुशियों का अवसर है। शिक्षा के क्षेत्र में भारी बदलाव हुए हैं। सनातन संस्कृति, कृषि, उद्योग, शिक्षा के लिए सरकार ने काम किया है। साइबर तहसील के माध्यम से सारे काम ऑनलाइन हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में रीजनल कॉन्क्लेव आयोजित किये गये। इसके साथ ही चीता आने से गांधी सागर अभयारण्य में पर्यटन की संभावना को नए पंख लगे हैं। पर्यटन का खजुराहो एक मार्ग था, अब दूसरा मार्ग नीमच से शुरू हुआ है।

जवाद विधायक ओमप्रकाश ने कहा कि जावद की विकास परंपरा हमेशा आगे बढ़ने की रही है। आज जीवन में सबसे बड़ी खुशी का अवसर है। नीमच में उद्योग के निवेश से रोजगार की अपार संभावनाएं बढ़ेगी। और यह सब सरकार की प्रयासों संभव हुआ है। इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री सत्यनारायण जटिया, विधायक दिलीप सिंह परिहार सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, विद्यार्थी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

भाजपा सांसद बोले- कुरैशी चुनाव आयुक्त नहीं, मुस्लिम आयुक्त थे

कुरैशी ने वक्फ कानून पर उठाए थे सवाल, कहा था- ये जमीन हड़पने की चाल

एजेंसी ● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट और चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के खिलाफ विवादित बयान देने के बाद भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने रविवार को पूर्व चुनाव आयुक्त पर निशाना साधा। भाजपा सांसद ने कहा, ' वे चुनाव आयुक्त नहीं बल्कि मुस्लिम आयुक्त थे।'

निशिकांत ने यह बयान पूर्व चुनाव आयुक्त कुरैशी के वक्फ कानून की आलोचना करने वाली एक पोस्ट के जवाब में आया। कुरैशी ने 17 अप्रैल को X पर एक पोस्ट में लिखा था, 'वक्फ संशोधन मुसलमानों की जमीन हड़पने की सरकार की भयानक और शैतानी चाल है।'

इससे पहले, 19 अप्रैल को

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने एक बयान दिया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमाओं से बाहर जा रहा है। अगर हर किसी को सारे मामलों के लिए सर्वोच्च अदालत जाना पड़े तो संसद और विधानसभा बंद कर देनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा था, 'संसद इस देश के कानून बनाती है। क्या आप उस संसद को निर्देश देंगे। देश में गृह युद्ध के लिए चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया संजीव खन्ना जिम्मेदार हैं। वहीं धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है।'

निशिकांत ने कुरैशी पर लगाए आरोप: निशिकांत ने कहा, 'आपके कार्यकाल में झारखंड के संथाल परगना में सबसे ज्यादा बांग्लादेशी घुसपैठियों को मतदाता बनाया गया। उनके गांव विक्रमशिला को 1189 में बख्तियार खिलजी ने जला दिया था और विक्रमशिला विश्वविद्यालय ने दुनिया को आतिश दीपांकर के रूप में पहला कुलपति दिया।' कुरैशी पूर्व 30 जुलाई 2010 से 10 जून 2012 तक मुख्य निर्वाचन आयुक्त रहे। निशिकांत 4 बार से झारखंड के गोड्डा से लोकसभा सांसद हैं।

दुबे के बयानों से भाजपा ने किनारा किया

सुप्रीम कोर्ट और चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के खिलाफ निशिकांत दुबे के बयान से भाजपा ने किनारा कर लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने X पोस्ट में लिखा- भाजपा ऐसे बयानों से न तो कोई इत्तेफाक रखती है और न ही कभी भी ऐसे बयानों का समर्थन करती है। भाजपा इन बयान को सिरे से खारिज करती है। पार्टी ने सदैव ही न्यायपालिका का सम्मान किया है, उनके आदेशों और सुझावों को सहर्ष स्वीकार किया है, क्योंकि एक पार्टी के नाते हमारा मानना है कि सर्वोच्च न्यायालय समेत देश की सभी अदालतें हमारे लोकतंत्र का अभिन्न अंग हैं। संविधान के संरक्षण का मजबूत आधारस्तंभ हैं। मैंने इन दोनों को और सभी को ऐसे बयान ना देने के लिए निर्देशित किया है।

कर्नाटक जनेऊ विवाद- कॉलेज प्रिंसिपल और स्टाफ मेंबर सस्पेंड

बेंगलुरु। कर्नाटक के बीदर जिले के साई स्पूर्थी पीयू कॉलेज में 17 अप्रैल को एक स्टूडेंट ने जनेऊ उतारने से मना किया तो उसे एग्जाम में बैठने नहीं दिया गया। शनिवार को मामला सुर्खियों में आया और इसपर विवाद हुआ। अब मामले में प्रिंसिपल डॉ. चंद्रशेखर बिरादर और स्टाफ मेंबर सतीश पवार को सस्पेंड कर दिया है। ऐसा ही एक मामला शिवमोगा जिले के आदिचुंचनगिरी स्कूल से भी सामने आया था, जहां कॉमन इंट्रेंस टेस्ट (CET) एग्जाम देने आए तीन स्टूडेंट का जनेऊ उतरवाया गया। कर्नाटक ब्राह्मण महासभा की तरफ से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है।

एमपी में डॉक्टर ने बुजुर्ग मरीज को पीटा

एजेंसी ● छतरपुर

मध्य प्रदेश के छतरपुर में एक डॉक्टर ने 77 साल के बुजुर्ग मरीज से मारपीट की। मरीज का हाथ पकड़कर घसीटते हुए अस्पताल के बाहर ले गया और पुलिस चौकी के पास पटक दिया। डॉक्टर ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि बुजुर्ग मरीज ने डॉक्टर के देर से अस्पताल आने का कारण पूछा था।

घटना 17 अप्रैल की है। वीडियो रविवार को सामने आया है। डॉक्टर की पहचान राजेश मिश्रा के रूप में हुई है। उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

इधर, मामले की जांच रिपोर्ट न भेजने पर कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने सिविल सर्जन जीएल अहिरवार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। रात में आरोपी डॉक्टर राजेश मिश्रा को बर्खास्त कर दिया गया। वहीं सिविल सर्जन जीएल अहिरवार को सस्पेंड कर दिया है।

पीड़ित उधल लाल जोशी अपनी पत्नी लाली जोशी (70 साल) के साथ इलाज के लिए करीब 30 किमी का सफर तय

करके जिला अस्पताल आए थे।

पर्चा फाड़ा, थप्पड़ मारकर लात-घूंसों से पीटा : पीड़ित ने बताया कि वह गुरुवार सुबह 10 बजे अस्पताल के ओपीडी रूम नंबर 11 के सामने टोकन लेकर लाइन में खड़े थे। ड्यूटी डॉक्टर राजेश अग्रवाल काफी देरी से आए। उन्होंने कारण पूछा तो डॉक्टर ने पहले उनका पर्चा फाड़ा और फिर थप्पड़ मारा। डॉक्टर ने बुजुर्ग को लात-घूंसों से पीटा।

इसके बाद एक कंपाउंडर की मदद से बुजुर्ग मरीज का हाथ पकड़कर घसीटते हुए अस्पताल के बाहर बनी पुलिस चौकी तक ले गए और वहां ले जाकर जमीन पर पटक दिया।

पत्नी की हत्या कर कटा सिर लेकर थाने पहुंचा पति

गुवाहाटी। असम में 60 वर्षीय एक व्यक्ति ने घरेलू विवाद के चलते अपनी पत्नी का कथित तौर पर सिर काट दिया और कटा हुआ सिर लेकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। यह घटना कल रात चिरांग जिले में हुई। बितीश हाजोंग ने अपनी पत्नी बैजंती का सिर काटने के लिए धारदार हथियार का इस्तेमाल किया और कटे हुए सिर को अपनी साइकिल पर स्टोरेज बास्केट में रखकर ले गया। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद वह बल्लामगुरी चौकी पहुंचा और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस स्टेशन से ली गई तस्वीरों में साइकिल पर खून के धब्बे और हिरासत में आरोपी दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी चिरांग जिले के उत्तर बल्लामगुरी का एक दिहाड़ी मजदूर है।

परफॉर्मेंस ही होगा पोस्टिंग का आधार, साय सरकार ने किए 41 अफसरों के तबादले...

अफसरों की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी साय सरकार

संवाददाता ● रायपुर

साय सरकार ने बड़ी प्रशासनिक सर्जरी करते हुए शनिवार को 41 आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया. तबादले के पहले सरकार अफसरों का परफॉर्मेंस आडिट कर रही थी. तबादले का आधार अफसरों का परफॉर्मेंस है. साय सरकार ने इस तबादले से बड़ा संदेश देने की कोशिश की है. इस संदेश में राज्य में प्रशासनिक कसावट लाना सबसे मुख्य उद्देश्य रहा है. सरकार ने तबादले में परिणाम देने वाले अफसरों को तवज्जो दिया है. सरकार ने अपने आडिट में यह पाया था कि राजस्व से जुड़े प्रकरणों को लेकर आम जनता में गहरी नाराजगी है, लिहाजा लंबे समय से चली आ रही शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए दो अतिरिक्त कमिश्नरों की नियुक्ति की है. राजस्व मंडल को दुरुस्त किए जाने की पहल इस तबादला सूची में दिखाई पड़ रही है. साय सरकार सुशासन की सरकार चला रही है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस सब से यही साफ होता है कि तबादले कार्य को गति प्रदान करने व राज्य की व्यवस्था सूचारू रूप से चले इसिलए जरूरी है।

सुबोध सिंह के नियंत्रण से कामकाज में सुधार आया

सबसे पहले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने सचिवालय को मजबूती दी थी. दिल्ली से आए सुबोध सिंह को प्रमुख सचिव और वित्त विभाग संभाल रहे मुकेश बंसल सचिव बनाए गए. इससे पहले तक मुख्यमंत्री सचिवालय में राहुल भगत, पी दयानंद और बसव राजू बतौर सचिव काम कर रहे थे. सुबोध सिंह और मुकेश बंसल की नियुक्ति ने मुख्यमंत्री सचिवालय को मजबूती दी गई. सचिवालय में सचिवों के बीच वर्क डिस्ट्रीब्यूशन किया गया था. राज्य में प्रशासनिक कसावट लाने के लिहाज से यह मुख्यमंत्री की पहली कवायद थी. सुबोध सिंह ने प्रशासनिक नियंत्रण अपने हाथ में लेते हुए सबसे पहले कामकाज में सुधार लाने की पहल की. इस पहल का असर दिखा. मंत्रालय से लेकर जिलों तक कामकाज की स्थिति बेहतर हुई. कहा जा रहा है कि आईएएस अफसरों का तबादला आदेश जारी करने के पीछे मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका रही. एक-एक अफसर का काम का आकलन कर उन्होंने अपनी टीप दी थी. इसके बाद ही मुख्यमंत्री ने अफसरों के तबादले को अनुमोदित किया था. 41 आईएएस अफसरों के तबादला सूची को जारी करने में साय सरकार ने पर्याप्त समय लिया है. यह निर्णय सुशासन को और मजबूत करने में कारगर साबित होगा।

परफॉर्मेंस रिपोर्ट के बाद आदेश...

परफॉर्मेंस आडिट रिपोर्ट मिलने के बाद सरकार ने तबादला आदेश जारी करने में इस बात का विशेष ध्यान रखा है कि फील्ड पर परफॉर्म न कर पाने वाले अफसरों को लूप लाइन में भेज दिया है. सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अच्छी पोस्टिंग का आधार सिर्फ और सिर्फ परफॉर्मेंस ही होगा. फील्ड पर तैनात कुछ अफसरों के खिलाफ सरकार को लगातार शिकायतें मिल रही थी. फौरी तौर पर आने वाली शिकायतों की सरकार ने गोपनीय जांच कराई. इस जांच के बाद मिले फीडबैक के आधार पर उन अफसरों को लूप लाइन में भेजने का निर्णय किया. राज्य के सीमावर्ती इलाकों के दो जिलों के कलेक्टर इसका शिकार हुए और उन्हें हटाकर सरकार ने परफॉर्म करने वाले अफसर की तैनाती की है. सरकार ने ऐसा करते हुए यह संदेश दिया है कि कार्यकुशलता, जनता के कार्यों को तरजीह, ईमानदारी और समर्पण से कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाता रहेगा. लापरवाह और जनकल्याणकारी कार्यों में देरी करने वाले अफसरों को इसका खामियाजा भुगतना होगा. साय सरकार ने प्रमोटी आईएएस अफसरों पर भरोसा जताते हुए महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंपी है. सरकार का मानना है कि डायरेक्टर आईएएस और प्रमोटी आईएएस के बीच समन्वय बनाते हुए तैनाती की जानी चाहिए. प्रमोटी आईएएस ग्रास रुट वर्किंग मे एक्सपर्ट होते हैं, लिहाजा सरकार उनके अनुभवों का लाभ प्रशासनिक कामकाज में बेहतर ढंग से करना चाहती है।

जिंसी चौराहे पर हुआ हदसा, पति-पत्नी गंभीर घायल

पहिए में फंसे दंपती को बचाने 60 लोगों ने उठा दिया डंपर

संवाददाता ● इंदौर

जिंसी चौराहे पर रविवार शाम को डंपर ने एक्टिवा सवार दंपत्ति को रौंद दिया। दोनो को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती किया गया है। दोनो घायल डंपर के पहिए में दबे हुए थे। उन्हे बचाने के लिए क्षेत्र के रहवासी आगे आए।

60 से ज्यादा रहवासियों ने डंपर को उठाया और पहिये के नीचे से घायलों को निकाला, लेकिन दोनो की हालत गंभीर है। घनी बसाहट वाले क्षेत्र में निगम के डंपर की आवाजाही से लोगों में नाराजगी भी है। उनका पहले भी यहां हादसे हो चुके है। घटना रविवार दोपहर की है। एक्टिवा पर सवार दंपत्ति सुभाष चौक से रामबाग की तरफ जा रहे थे। तभी पीछे से आ रहे डंपर ने उन्हें टक्कर मार दी। दोनो दंपत्ति डंपर के पहिये में एक्टिवा सहित फंस गए। हादसे के बाद डंपर को लोगों ने घेर लिया। पिटाई के डर से डंपर चालक भाग गया। लोगों ने देखा कि पहिए में फंसे दंपत्ति जिंदा है, लेकिन क्रेन बुलाने तक उनकी हालत बिगड़ सकती है।

इसके बाद मौजूद रहवासियों ने तय किया कि वे डंपर को एक तरफ से उठाकर घायलों को पहिए के नीचे से निकालेंगे। अन्य रहवासी भी जुट गए और डंपर को एक तरफ से दो फीट तक उठाने में सफल रहे। कुछ लोगों ने घायल दंपत्ति को निकाला। तब तक वहां एक वाहन को रोका लिया गया और घायलों को पास के अस्पताल में पहुंचाया। मौके पर कुछ देर बाद पुलिस पहुंची, तब तक घायल अस्पताल पहुंच गए थे। पुलिस ने डंपर जब्त कर लिया है।

अहिंसा, शाकाहार और पर्यावरण के लिए दौड़े सैकड़ों लोग

इंदौर। अखिल भारतीय जैन श्वेतांबर सोशल ग्रुप फेडरेशन के तत्वाधान में रविवार सुबह नेहरु स्टेडियम से मेराथन दौड़ का आयोजन किया गया। अहिंसा, शाकाहार व पर्यावरण के संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित मेराथन में शहर के सभी जागरुक लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। जैन समाज की इस मैराथन दौड़ में शामिल होने वालों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। इसके चलते हर कोई अहिंसा, शाकाहार और बेहतर पर्यावरण का जन-जन तक संदेश पहुंचाने के लिए इस दौड़ में शामिल हुआ।

एक दस्तावेज पर मिलेगा रजिस्ट्रेशन

जीएसटी पंजीयन में अब नहीं चलेगा अधिकारियों का अड़ंगा

संवाददाता ● इंदौर

जीएसटी पंजीयन में होने वाली अधिकारियों की अड़ंगेबाजी पर दिल्ली से अंकुश लगा दिया गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड की ओर से सभी जीएसटी आयुक्तों के लिए मानक कार्यप्रणाली (एसओपी) जारी कर दी है। सख्ती से पालन का निर्देश भी दे दिया है।

जीएसटी पंजीयन के लिए आवेदन करने वाले व्यवसायी से अब अधिकारी अतिरिक्त दस्तावेजों की मांग नहीं कर सकेंगे। सामान्य स्थिति में पंजीयन सात दिन में जारी भी करना पड़ेगा। दिल्ली से जारी एसओपी में निर्देशित करते हुए स्पष्ट किया गया है कि व्यवसाय के स्थल (प्रिंसिपल प्लेस ऑफ बिजनेस) को सत्यापित करने के नाम पर अधिकारी अतिरिक्त प्रमाण नहीं मानेंगे। संपत्ति कर, जल कर की रसीद या बिजली का बिल जैसा एक दस्तावेज भी यदि आवेदन के साथ लगाया गया है तो उसे मान्य कर पंजीयन करना होगा।

अभी तो हो ये रहा था कि ऐसी रसीद देने के बाद भी अधिकारी क्वेरी के नाम पर अतिरिक्त दस्तावेज मांग रहे थे। करों की रसीद हाथ से बनी होने पर मान्य नहीं की जाती। अतिरिक्त दस्तावेजों में संपत्ति पंजीयन से लेकर तमाम दस्तावेज मांगे जाते। ऐसे में व्यवसायी न केवल परेशान होता बल्कि उसका पंजीयन भी काफी देरी से जारी होता। इसी तरह किराए के परिसर के मामले में भी साफ कर दिया गया है कि पहचान के प्रमाण और संपत्ति स्वामी द्वारा किराए पर परिसर देने के एक प्रमाण के आधार पर पंजीयन देना होगा। अब तक रजिस्टर्ड रेंट एग्रीमेंट जैसे अतिरिक्त दस्तावेज मांगे जा रहे थे। इसी के साथ साझेदारी वाले परिसर व अन्य स्थितियों में भी मानक पैमाना जारी कर दिया गया है।

चार्टर्ड अकाउंटेंट जय नागपाल के अनुसार नए पैमानों से व्यवसायियों को राहत मिलने की उम्मीद है। अब तक लगातार आवेदन निरस्त किए जाते हैं और अतिरिक्त दस्तावेजों की मांग की जाती है। ताजा गाइडलाइन में न केवल दस्तावेजों की अतिरिक्त मांग की मनाही की गई है बल्कि अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दे दिया है कि वे इसका पालन करें।

1 करोड़ 60 लाख की ठगी | 100 खाते फ्रीज करा चुकी क्राइम ब्रांच, 16 आरोपी पहले हो चुके हैं

महिला को डिजिटल अरेस्ट मामले में आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर में महिला के साथ डिजिटल अरेस्ट के मामले में क्राइम ब्रांच ने 17वें आरोपी को गिरफ़्तार किया है। महिला को चार दिनों तक डिजिटल रूप से बंधक बनाकर रखा गया था। ठगों ने खुद को अलग-अलग अधिकारी बताकर उससे बातचीत की और 1 करोड़ 60 लाख रुपए की ठगी को अंजाम दिया। इस मामले में क्राइम ब्रांच अब तक 100 बैंक खाते फ्रीज कर चुकी है।

डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश त्रिपाठी ने बताया कि 9 नवंबर 2024 से 12 नवंबर 2024 तक इंदौर की रहने वाली वंदना गुप्ता (59) को डिजिटल अरेस्ट किया गया था। महिला को डरा कर, नकली अधिकारी बनकर, उससे 1 करोड़ 60 लाख रुपए की ठगी की गई थी। अब तक 17 आरोपी गिरफ़्तार हो चुके हैं। गुजरात, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल सहित अन्य स्थानों से आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अभिषेक चक्रवर्ती से पूछताछ में पता चला था कि स्वपन मोदक नामक व्यक्ति के कहने पर वह अकाउंट लेता-देता है। उसका नाम सामने आने पर तलाश शुरू की गई। उसे पकड़ने के लिए टीम कूचबिहार पहुंची, जहां से स्वपन को गिरफ्तार किया गया। अब आरोपी का पुलिस रिमांड लेकर पूछताछ की जाएगी। प्रारंभिक पूछताछ में उसने माना है कि उसने अकाउंट का लेन-देन किया है।

महिला से की थी 1 करोड़ 60 लाख की ठगी

इंदौर की रहने वाली 59 साल की वंदना गुप्ता ने डिजिटल अरेस्ट के द्वारा 1 करोड़ 60 लाख रुपए की ठगी की शिकायत की थी। शिकायत में महिला ने बताया था कि ठग गैंग ने स्काइप और वॉट्सऐप वीडियो कॉल कर अलग-अलग सरकारी विभाग जैसे सीबीआई, आरबीआई, पुलिस आदि का खुद को अधिकारी बताकर मनी लॉन्ड्रिंग केस में जेल जाने का डर दिखाया। इसके बाद फरियादी महिला की निजी और बैंकिंग जानकारी ली। बैंक खाते, एफडी और शेयर्स आदि के रुपयों की जांच करने के नाम पर उसके साथ ठगी की वारदात को अंजाम दिया था। शिकायत के बाद से ही क्राइम ब्रांच आरोपियों की तलाश में जुट गई थी। इस मामले में क्राइम ब्रांच अभी तक 17 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

आरोपी को मिलता था एक से दो प्रतिशत कमीशन

राजेश त्रिपाठी ने बताया कि इसने जो अकाउंट लिया था, उसमें 60 लाख रुपए का ट्रांजैक्शन वेस्ट बंगाल

वाले एक खाते में हुआ था। ये जो 60 लाख रुपए थे, ये इंदौर की वारदात के थे, मगर उसके खाते में 1 करोड़ 90 लाख से ज्यादा थे, जो अन्य वारदातों का पैसा था। अभिषेक की तलाश दमन दीव की पुलिस को भी थी। वहां की पुलिस से भी संपर्क किया जाएगा। स्वपन का पुलिस रिमांड लेकर इससे पूछताछ की जाएगी। रिकवरी के लिए खातों को फ्रीज़ करा दिया गया है। कोशिश की जा रही है कि सभी आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। पूछताछ में पता चला है कि पूर्व में स्वपन मोदक प्राइवेट नौकरी करता था और 12वीं तक पढ़ा-लिखा है। वह लोगों से लोन दिलाने के नाम पर संपर्क करता था और उन्हें रुपयों का लालच देकर बैंक खाता देने के लिए तैयार करता था। बैंक खाता दूसरे राज्य भेजने के लिए खाता धारक की फ्लाइट टिकट, होटल आदि की व्यवस्था वही करता था। आरोपी को कमीशन 1 से 2 प्रतिशत मिलता था, यानी 1 करोड़ के ट्रांजैक्शन पर 1 लाख रुपए। आरोपी ने कई लोगों को गैंग में शामिल करने की बात भी कबूल की है।

मध्यभारत हिंदी साहित्या समिति में विधा गोष्ठी

वर्तमान समय में व्यंग्य सपाट विधा में लिखा जा रहा है...

संवाददाता ● इंदौर

मध्यभारत हिन्दी साहित्य समिति, इन्दौर द्वारा अपने मासिक विधा गोष्ठी में शनिवार, 19 अप्रैल को व्यंग्य विधा पर विचार विमर्श किया गया एवं शहर के जाने-माने व्यंग्य-साहित्यकार दीपक गिरिकर एवं अश्विनी कुमार दुबे को बतौर मुख्य वक्ता सुना गया जिन्होंने व्यंग्य विधा पर अपने विचार व्यक्त किए एवं व्यंग्य सुनाये भी। दीपक गिरिकर ने कहा कि लेखक जो सोचता है वही लिखता है। अपने विचारों और अनुभवों को साहित्य की किसी भी विधा में प्रस्तुत करता है व्यंग्य भी उनमें एक है। व्यंग्य का मतलब मनोरंजन नहीं है बल्कि समाज, शासन, अर्थ, धर्म या किसी भी क्षेत्र में विसंगतियों पर प्रहार करने का एक साहित्यिक आधार है। इसमें वक्रोक्ति, अतिश्योक्ति कटाक्ष, चुटकी आदि किसी को भी आधार बनाया जा सकता है। व्यंग्यकार को निष्पक्ष लिखना चाहिए और ऐसा भी न लिखे कि अर्थ का अनर्थ हो जाए। उन्होंने कहा कि हास्य और व्यंग्य में भी अंतर होता है। अश्विनी कुमार दुबे ने कहा कि हरिशंकर परसाई जैसे व्यंग्यकार अब कहाँ हैं। अब तो चौथी पीढ़ी चल रही है।

माहेश्वरी समाज का कार्यक्रम

अज्ञानता को पहचानना प्रगाढ़ रिलेशनशिप की पहली शर्त

संवाददाता ● इंदौर

आपको और कोई नहीं बदल सकता। आप ही अपने आप को बदल सकते हो। जानकारी को ज्ञान में बदलना विजडम की पहली पहचान है। अपनी की अज्ञानता को पहचाना प्रगाढ़ रिलेशनशिप की पहली शर्त है। यह बातें अंतरराष्ट्रीय रिलेशनशिप एक्सपर्ट रमेश परतानी ने माहेश्वरी समाज इंदौर के अंतर्गत माहेश्वरी समाज पूर्वी क्षेत्र द्वारा आयोजित खुशहाल परिवार की परिकल्पना पर संयोजित कार्यक्रम ' रिश्ते वही - सोच नई ' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। माहेश्वरी समाज के इस अनूठे कार्यक्रम का आयोजन नवनिर्मित श्री आनंदम भवन बायपास पर किया गया। माहेश्वरी समाज इंदौर जिले के चयनित 125 कपल के समक्ष सुदृढ़ व खुशहाल रिलेशनशिप की अनिवार्यता के बारे में बताते हुए परतानी ने कहा कि रिलेशनशिप में स्पेस देना, थोड़ा झुकना और विनम्रता से अपनी बात कहना, अत्यंत जरूरी है। आपमें जितनी विनम्रता होगी अहंकार उतना ही कम होगा। प्रेम का सबसे बड़ा गिफ्ट फ्रीडम ऑफ लिविंग है। एक दूसरे को जीने की स्वतंत्रता देना ही श्रेष्ठ रिलेशनशिप की पहचान है।

काव्य संग्रह 'असाध्य' का विमोचन

संवाददाता ● इंदौर

सिया फ़ाउंडेशन के तत्वावधान में मप्र साहित्य अकादमी द्वारा चयनित मनीषा व्यास के काव्य संग्रह 'असाध्य' का विमोचन राष्ट्रकवि सत्यनारायण सत्तन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि डॉ विकास दवे, (निदेशक साहित्य अकादमी) एवं विशेष अतिथि के रूप में, डॉ राजीव शर्मा उपस्थित रहे। डॉ राजीव शर्मा जी ने पुस्तक के औचित्य पर प्रकाश डाला व अपनी हास्य शैली से सबको आल्हादित किया। डॉ दवे जी विस्तृत पुस्तक समीक्षा कर, विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला एवं कहा कि पुस्तक में सरस्वती वंदना से लेकर, बचपन, गाँव की बेटी, देशभक्ति, श्रृंगार गीत, विद्यालय, सभी विषयों पर उत्कृष्ट काव्य संग्रह है जिसमे समाज के सभी पहलुओ का मार्मिक एवं सकारात्मक पहलू परिलक्षित होता है। सत्तन जी ने कहा "असाध्य", "मनीषा" की ऐसी कृति है जिसमे मनीषा की मनीषा लगी है। जो बालकों से युवाओं तक को प्रेरणा देगी।

वरिष्ठ साहित्यकार हरेराम वाजपेयी, अनिल ओझा, मुकेश इंदौरी के साथ हिंदी परिवार, वामा साहित्य एवं इंदौर लेखिका संघ से सुधीजन उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंतिम चरण में हमसुख़न कवि सम्मेलन व मुशायरा आयोजित हुआ। जिसका संचालक विनीत शुक्ला ने किया। जिसमें शाहनवाज़ अंसारी, धीरज चौहान, आदर्श राजपूत, राहुल शर्मा, अक्षत व्यास, सुश्री निशिका नागर ने रचनाए प्रस्तुत की।कार्यक्रम का संचालन दिव्यांश ने किया एवं आभार संजीव व्यास ने माना।

निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित

इंदौर। कल्कि पल्टन फाउंडेशन द्वारा निपानिया में एक निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह आयोजन कल्कि पल्टन फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतेंद्र यादव द्वारा संयोजित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पार्षद सुरेश कुरवाड़े थे। उन्होंने कल्कि पल्टन द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर समाज में जागरुकता एवं सेवा भावना को बढ़ावा देते हैं।

स्टूडेंट स्मार्टफोन से सीखेंगे सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट

इंदौर। जिले के सरकारी स्कूलों में स्मार्टफोन के माध्यम से सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट सिखाएंगे। कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों को फ्री में टेक्नोलॉजी की शिक्षा दी जाएगी। जिससे वे भविष्य के करियर के लिए बेहतर रूप से तैयार हो सकें। यह पहल IIT-दिल्ली के पूर्व छात्रों द्वारा स्थापित कोड-योगी फाउंडेशन के सहयोग से शुरू की गई है। इंदौर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (CEO) सिद्धार्थ जैन ने बताया छात्र सिर्फ स्मार्टफोन का उपयोग करके घर बैठे हिंदी में कोडिंग सीख सकेंगे। पाठ्यक्रम पूरी तरह से निशुल्क होगा और स्व-गति आधारित रहेगा। कोर्स में वेबसाइट डिजाइनिंग, मोबाइल ऐप डेवलपमेंट सहित कई प्रमुख तकनीकी क्षेत्रों को शामिल किया गया है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को प्रमाणपत्र और करियर गाइडेंस भी दिया जाएगा। जैन ने बताया इस कार्यक्रम से जिले के लगभग 1600 सरकारी स्कूलों के लाखों छात्रों को फायदा मिलेगा। सभी स्कूल प्राचार्यों को इसे सक्रिय रूप से लागू करने और अधिकतम छात्रों को जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। इस पहल से इंदौर जिले के छात्रों को डिजिटल इंडिया के सपने से जोड़ते हुए एक उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर करने की उम्मीद जताई जा रही है।

बिजली के झटकों के बजाय नई पद्धति से उपचार

मानसिक रोगियों का इलाज अब संगीत और गेम्स से

संवाददाता ● इंदौर

बाणगंगा स्थित मानसिक चिकित्सालय में अब मानसिक रोगियों का इलाज पारंपरिक तरीकों की जगह आधुनिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर की चिकित्सा पद्धति से किया जा रहा है। यहां विद्युत झटकों की बजाय अब इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्स के माध्यम से इलाज किया जाता है। इसके साथ ही म्यूजिक थेरेपी, डांस, गायन और रचनात्मक गतिविधियों के जरिये मरीजों का मानसिक उपचार किया जा रहा है।

गेम्स खिलाकर भी रोगियों की मानसिक स्थिति का आकलन किया जाता है। इन उन्नत तकनीकों और पद्धतियों की वजह से यह संस्थान एक मॉडल मानसिक चिकित्सालय के रूप में उभर कर सामने आया है, जहां अत्याधुनिक मशीनें भी उपलब्ध हैं।

टेली मानस सेवा से चौबीसों घंटे मुफ्त परामर्श

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं के लिए इंदौर के बाणगंगा स्थित मानसिक चिकित्सालय में टेली मानस सेवा भी उपलब्ध है, जो 24 घंटे निशुल्क परामर्श प्रदान करती है। मरीज या उनके परिजन टोल फ्री नंबर 14416 या 1800-891-4416 पर कॉल कर इस सेवा का लाभ ले सकते हैं। अस्पताल के ऑक्यूपेशनल थेरेपी कक्ष में मरीजों को कागज से फूल, दीये और ग्रीटिंग कार्ड जैसे रचनात्मक आइटम बनाने को प्रोत्साहित किया जाता है। इन गतिविधियों से रोगियों में रचनात्मकता के साथ-साथ मानसिक सुधार भी तेजी से होता है।

म्यूजिक और गेम्स से मिल रहा मानसिक संतुलन- चिकित्सालय में म्यूजिक थैरेपी के माध्यम से भी रोगियों का इलाज किया जा रहा है। गायन और नृत्य के दौरान मरीजों की शारीरिक भाषा और चेहरे के भावों से उनकी मानसिक स्थिति को समझा जाता है। डॉक्टर पाल के अनुसार, म्यूजिक थैरेपी के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इसके साथ ही, स्टाफ की निगरानी में मरीजों को विभिन्न गेम्स भी खिलाए जाते हैं, जिससे उनकी मानसिक एकाग्रता और स्थिरता में सुधार होता है। ये नवाचार मरीजों को न सिर्फ उपचार देते हैं, बल्कि उन्हें जीवन की ओर भी वापस लाते हैं।

डीन ने किया चिकित्सालय का निरीक्षण

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद यंघोरिया ने मानसिक चिकित्सालय का दौरा किया और यहां की सुविधाओं का जायजा लिया। प्रभारी डॉक्टर वी.एस. पाल ने जानकारी दी कि पहले गंभीर मानसिक रोगियों का इलाज बिजली के झटकों से किया जाता था, जिसमें मरीज को कुर्सी से बांधकर इलाज किया जाता था। लेकिन अब इस पुरानी पद्धति को छोड़ते हुए इलेक्ट्रो-कन्वल्सिव थेरेपी (ईसीटी) की आधुनिक तकनीक अपनाई गई है, जो विद्युत चुम्बकीय तरंगों के माध्यम से होती है और अधिक सुरक्षित व प्रभावी मानी जाती है।

सर्व समाज का आग्रह : रेती मंडी चौराहे पर बन रहे ओवरब्रिज का नाम पं. मदनमोहन मालवीय रखें

इंदौर। श्रीगौड ब्राह्मण समाज ने रेती मंडी चौराहा पर बन रहे ओवरब्रिज का नाम हिंदू, हिंदी और हिन्दुस्तान को पहचान देने वाले भारत रत्न महामना पं. मदनमोहन मालवीय के नाम से करने की मांग की है। इस मुद्दे को लेकर श्री श्रीगौड ब्राह्मण समाज के साथ सर्व ब्राह्मण समाज और सर्व समाज की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के प्रतिनिधियों ने प्रशासन और सरकार से अपील करते हुए ओवरब्रिज का नाम पं. मदनमोहन मालवीय के नाम से करने की मांग की है। महामना पं.मदनमोहन मालवीय ओवरब्रिज संघर्ष समिति के पं. आदित्य उपाध्याय और पं. मयंक व्यास ने बताया कि पूर्व में भी श्रीगौड ब्राह्मण समाज मुख्यमंत्री, महापौर, विधायक को ज्ञापन भी दे चुका है। समाजजन रोटरी और ओवरब्रिज को लेकर जनप्रतिनिधियों से भी मिल चुके हैं। सर्वसमाज ने मांग की है कि पंडित महामना मालवीय चौराहा भी इसी स्थान पर है, तो ब्रिज का नाम भी महामना के नाम से ही किया जाना चाहिए।

न्यूज

यात्रियों को झटका भोपाल से गुजरने वाली 26 ट्रेनें कैंसिल

भोपाल: गर्मियों की छुट्टियों में ट्रेन में सफर करने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। इस दौरान रेल में सफर करने वाले यात्रियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। उत्तर पूर्व रेलवे के गोरखपुर मंडल में तीसरी लाइन के इंटरलाकिंग कार्य किया जा रहा है। इसके चलते कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित होगा। कई ट्रेनें अलग-अलग तारीख में कैंसिल रहेगी।
दरअसल, इंटरलाकिंग कार्य के चलते भोपाल मंडल से गुजरने वाली करीब 26 ट्रेनों को अलग-अलग दिनों में कैंसिल किया गया है। रेलवे मंडल की तरफ से जारी सूचना के अनुसार ये ट्रेनें 17 अप्रैल से लेकर 7 मई तक अलग अलग दिनों में निरस्त रहेंगी। कैंसिल ट्रेनों की लिस्ट देखें।

ये ट्रेनें कैंसिल रहेंगी

कैंसिल ट्रेनों में कई ट्रेनें एक दिन तो कई दो दिन से लेकर 5 से 7 दिन तक निरस्त रहेगी। जानिए इनकी गाड़ी संख्या और नाम।

आपस में नहीं कर सकते बात, कैदी रखते हैं नजर

भोपाल . मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार आरटीओ के पूर्व करोड़पति कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा, उसके सहयोगी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल को भोपाल की सेंट्रल जेल में ढाई महीने बीत गए हैं। 4 फरवरी को तीनों को पहली बार जेल भेजा गया था। 11 फरवरी को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सात दिन की रिमांड पर लिया और 17 फरवरी को वे दोबारा जेल पहुंचे। इस तरह तीनों ने ज्यूडिशियल कस्टडी में अब तक 75 दिन बिता लिए हैं। जेल में तीनों के लिए एक-एक दिन पहाड़ बन चुका है। न उन्हें आपस में बातचीत करने की इजाजत है और न साथ रहने की। कुख्यात कैदियों की तरह तीनों की निगरानी को खोल दिया गया है। जेल की भाषा में निगरानी खोले जाने का मतलब राउंड अ क्लॉक नजर रखना होता है। तीनों के साथ दो-दो कैदी साय की तरह रहते हैं। यह कैदी जेल प्रशासन के विश्वसनीय हैं। यह कैदी हर 12 घंटे में अधिकारियों तक तीनों की हर गतिविधि की सटीक जानकारी पहुंचाते हैं। इसी के साथ प्रतिदिन होने वाली गणना में तीनों से चक्कर अधिकारी सीधी बातचीत करते हैं। इसमें तीनों जेल में बीत रहे हर लम्हे की जानकारी अधिकारियों को देते हैं। इसी के साथ अपने सेहत, अन्य कैदियों द्वारा किए जाने वाला व्यौहार की जानकारी भी उन्हें देते हैं।

5 जिलों में लू चलने की चेतावनी भोपाल इंदौर में भी...

भोपाल. मध्यप्रदेश के पश्चिमी और उत्तरी हिस्से यानी इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और चंबल संभाग में अब तक तेज गर्मी का असर रहा है, लेकिन अब पूर्वी हिस्से यानी सागर, सिंगरौली, रीवा, सीधी जैसे शहरों में भी गर्मी के तेवर तीखे हो गए हैं। रविवार को प्रदेश के 23 शहरों में पारा 40 डिग्री से अधिक रहा। रविवार को पूर्वी हिस्से के सीधी शहर में पारा 44.2 डिग्री दर्ज किया गया। टीकमगढ़ में 43.4 डिग्री, खजुराहो में 43.2 डिग्री दर्ज किया गया। इसी तरह शिवपुरी में 43 डिग्री, नौगांव-रीवा में 42.5 डिग्री, मंडला में 42.3 डिग्री और सतना में पारा 42 डिग्री रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 40.6 डिग्री, इंदौर में 39.4 डिग्री, ग्वालियर में 41.2 डिग्री, उज्जैन में 39.2 डिग्री और जबलपुर में पारा 40.4 डिग्री दर्ज किया गया।

MP में अब लोकायुक्त और EOW के पास होगा खुद का लॉकअप और इंटरोगेशन रूम, कैमरों की निगरानी में होगी पूछताछ

भोपाल. मध्य प्रदेश की जांच एजेंसियां लोकायुक्त, EOW, स्टेट CID या STF के पास अब अपना खुद का लॉकअप और इंटेरोगेशन रूम होने वाला है. इसको लेकर राज्य के गृह विभाग ने निर्देश जारी कर दिए हैं. लंबे समय से यह जांच एजेंसियां आरोपियों को हिरासत में रखने और पूछताछ के लिए खुद के लॉकअप और इंटेरोगेशन रूम की मांग कर रही थीं, जिसे आखिरकार अब मान लिया गया है.

शो में एकजुट हुईं डायमंड इंडस्ट्री की सभी मशहूर हस्तियाँ

डायमंड शो की परंपरा को कायम रखा

आईजीआई की 50वीं वर्षगांठ के मौके पर, बेहद खास एवं सबसे बड़े शो के 21वें संस्करण में देश भर के 60 से ज़्यादा हीरा आभूषण निर्माताओं और रिटेलर्स ने भाग लिया, और इस कार्यक्रम में डायमंड ज्वेलरी के 100,000 से ज़्यादा एक्सक्लूसिव डिज़ाइनों का प्रदर्शन किया गया

मुंबई. इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (आईजीआई) की ओर से आयोजित आईजीआई डी शो-2025 के 21वें संस्करण ने आज आईकॉनिक जियो वर्ल्ड सेंटर में अपनी भव्यता से सबका मन मोह लिया। 3 दिनों तक चलने वाले इस शो ने एक बार फिर से भारत के प्रीमियम एक्सक्लूसिव डायमंड शो की अपनी परंपरा को दोहराया। हमेशा की तरह, इस बार भी आईजीआई डी शो ने इस क्षेत्र में व्यवसाय के विकास के साथ-साथ पूरी इंडस्ट्री में लंबे समय तक कायम रहने वाले जुड़ाव को बढ़ावा दिया।

वर्षगांठ

ये डायमंड एग्जिबिशन बेहद खास होने के साथ-साथ भारत के रत्न एवं आभूषण उद्योग के लिए सबसे महत्वपूर्ण आयोजन है, जो प्रमुख हीरा निर्माताओं और लक्जरी/बेहद महंगे रिटेल ब्रांड्स के बीच ऐसे संबंधों को बढ़ावा देता है, जो मायने रखे। मुंबई में पहली बार इस प्रदर्शनी का आयोजन बेहद शानदार और सफल रहा है, जिसने अपनी चमक बिखेरने से आगे बढ़कर उद्देश्यपूर्ण संबंधों को और मजबूत किया है। इस आयोजन ने सुनियोजित तरीके से साझेदारी करने, उद्योग जगत की बहुमूल्य जानकारी का आदान-प्रदान करने और उभरते अवसरों का पता लगाने के लिए एक प्रभावशाली मंच की भूमिका निभाई है, जिसने हीरे के कारोबार में इनोवेशन और विकास को लगातार आगे बढ़ना जारी रखा है।

आईजीआई की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन आईजीआई के एमडी एवं सीईओ, श्री तहमास्प प्रिंटर ने किया। इस इंडस्ट्री की कई गणमान्य हस्तियों ने अपनी मौजूदगी से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, जिनमें ए.एस. मोतीवाला के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अशरफ मोतीवाला; ब्लू स्टार डायमंड्स के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री अनंव मेहता; पोपली ग्रुप ऑफ़ ज्वैलर्स के डायरेक्टर, श्री राजीव पोपली; लक्ष्मी डायमंड्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, डॉ. चेतन कुमार मेहता; श्री शैलेश राठौड़, के पी संघवी; महेंद्र ज्वैलर्स के श्री मेहुल ओसवाल; श्री महावीर बोहरा; आभूषण; डी. पी. ज्वेललाइन लिमिटेड के श्री अमित बंदी, और हर्षाइमल श्यामलाल ज्वैलर्स के श्री अंकुर आनंद शामिल थे। इस खास शो में देश भर के 60 से ज़्यादा हीरा आभूषण निर्माताओं और रिटेलर्स ने भाग लिया, और इस कार्यक्रम में डायमंड ज्वेलरी के 100,000 से ज़्यादा बेमिसाल डिज़ाइनों का प्रदर्शन किया गया, जो उम्दा कारीगरी, नयापन और हर कसौटी पर खरे आभूषणों की शानदार जुगलबंदी को दर्शाता है। सभी एक्जीबिटर्स ने अपनी खास पहचान वाले स्टाइल का प्रदर्शन किया, जो गुणवत्ता और प्रामाणिकता के संबंध में आईजीआई के वैश्विक मानकों के अनुरूप था। बेहद बारीकी से डिज़ाइन किए गए ब्राइडल ज्वेलरी से लेकर नए जमाने के कॉउचर लाइन तक के कलेक्शन में लोगों की अलग-अलग तरह की पसंद और उनकी प्राथमिकताओं को ध्यान में रखा गया था। इन कलेक्शन ने न केवल स्टाइल के प्रति जागरूक युवाओं का ध्यान अपनी ओर खींचा, बल्कि उत्कृष्ट कारीगरी के अनुभवी पारखियों, लग्जरी को पसंद करने वाले लोगों और हर उम्र के खरीदारों का भी दिल जीत लिया। अलग-अलग तरह के डिजाइनों की मौजूदगी से उपभोक्ताओं की लगातार विकसित हो रही इच्छाओं की झलक दिखाई दी, जहाँ पुरानी परंपरा नए विचारों से मिलती है और बेहद खास समझी जाने वाली चीज़ें सबके लिए उपलब्ध होती हैं।

'द आर्टिज़न्स बिहाइंड द एल्योर' इस साल के आयोजन की थीम थी, जो न केवल हीरों की जगमगाहट का सम्मान करती है, बल्कि हर आभूषण में जान डालने वाली कुशलता, परंपरा और जटिल कारीगरी को भी सलाम करती है। आईजीआई की 50 सालों की गौरवशाली परंपरा को याद करते हुए, इस शो ने जेमोलॉजी (रत्न-विज्ञान) की श्रेष्ठता में एक भरोसेमंद नाम के रूप में इस संस्थान के अब तक के शानदार सफ़र को दर्शाया।

भोपाल मंडल द्वारा लोको पायलटों की कार्य स्थितियों को सुदृढ़ बनाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास

संवाददाता न्यूज ● भोपाल

भारतीय रेलवे के समर्पित लोको पायलट भारतीय रेल परिचालन व्यवस्था की रीढ़ हैं, जो देशभर में यात्री एवं मालगाड़ियों को सुरक्षित, समयबद्ध एवं कुशलता से उनके गंतव्य तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके कार्य वातावरण को और अधिक सहज, सुरक्षित और सुविधा युक्त बनाने के उद्देश्य से रेलवे प्रशासन द्वारा अनेक पहलें की जा रही हैं, जिसमें पश्चिम मध्य रेलवे अग्रणी भूमिका निभा रहा है। वर्ष 2024-25 के दौरान पश्चिम मध्य रेलवे ने लोको पायलटों की सुविधा के लिए 27 और लोकोमोटिव्स में वातानुकूलन सुविधा प्रदान की है। इस प्रकार, मार्च 2025 तक कुल 562 लोको को एयर कंडीशनर से सुसज्जित किया जा चुका है। यह सुविधा न केवल गर्मी में राहत देती है, बल्कि लंबे समय तक ट्रेनों का संचालन करते समय ड्राइवर की एकाग्रता और दक्षता को भी बनाए रखती है। रेलवे द्वारा लोकोमोटिव्स की केबिनों को एर्गोनोमिक सीटों और आधुनिक तकनीकों से युक्त कर उन्हें 'क्रू फ्रेंडली' बनाया जा रहा है। पश्चिम मध्य रेलवे के तहत 858 लोकोमोटिव्स को क्रू-फ्रेंडली कैबिन के रूप में विकसित करने की दिशा में सतत कार्य जारी है। लोको पायलटों की दक्षता और प्रतिक्रिया समय को बेहतर बनाने के लिए सिम्युलेटर आधारित प्रशिक्षण को प्राथमिकता दी जा रही है। रनिंग स्टाफ के लिए विशेष सुरक्षा सेमिनार, परिवारों के साथ संवाद और परामर्श शिविर आयोजित किए जा रहे हैं ताकि उनके मानसिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और सतर्कता में सुधार हो सके।

सुविधा

भारतीय रेलवे के सभी नए लोकोमोटिव्स में शौचालय की सुविधा सुनिश्चित की जा रही है और पुराने इंजनों में रेट्रोफिटिंग के माध्यम से यह सुविधा जोड़ी जा रही है। इसके अतिरिक्त, भारी ट्रैफिक वाले मार्गों पर नए रनिंग रूम स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे रनिंग स्टाफ को विश्राम के लिए पर्याप्त समय मिल सके और उनकी कार्य अवधि में भी संतुलन बना रहे।

वर्तमान तकनीकी प्रगति के अनुरूप, फॉग सेफ्टी उपकरण, ड्राइवर अलर्ट सिस्टम, 'कवच' तकनीक और उन्नत ब्रेकिंग सिस्टम जैसी सुविधाओं से लोको पायलटों को कोहरे या विषम परिस्थितियों में भी सुरक्षित संचालन में सहायता मिल रही है। इसके अलावा, ऑनबोर्ड सुविधाओं, वॉकी-टॉकी संचार व्यवस्था और स्टेशनों पर नाश्ते तथा टॉयलेट ब्रेक की सहूलियत ने लोको पायलटों की कार्य संतुष्टि में वृद्धि की है। विभिन्न श्रेणियों की ट्रेनों — जैसे मालगाड़ी, पैसेंजर, मेल/एक्सप्रेस एवं मेट्रो/सबअर्बन सेवाओं में कार्यरत लोको पायलटों को शेड्यूल के अनुसार विश्राम और सुविधा का ध्यान रखा जाता है।

उत्कल स्मारिका का विमोचन किया गया...

वार्षिक उत्कल उत्सव 2025 का सफल आयोजन किया गया

संवाददाता ● भोपाल

उत्कल सांस्कृतिक परिषद भेल के तत्वावधान में वार्षिक उत्कल उत्सव 2025 का सफल आयोजन किया गया। यह आयोजन शनिवार शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक सांस्कृतिक भवन भेल भोपाल में किया गया।

सांस्कृतिक भवन भेल में भोपाल ...

इस दौरान उत्कल परिषद द्वारा स्मारिका का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में कई अतिथिगण बतौर अतिथि शामिल हुए। मुख्य अतिथि के तौर पर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सर्किल ऑडिट ऑफिस के महाप्रबंधक शुभकांता कानूनगो और विशिष्ट अतिथि के तौर पर एजीएम संतोष गुप्ता और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के उप महाप्रबंधक सुधांशु शेखर दास, विजय कुमार शामल,शरद चंद्र पांड्या और राजकुमार बारिक मुख्य प्रबंधक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया उपस्थित रहे। बता दें कि यह सफल आयोजन उत्कल सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष प्रदीप कुमार नायक, उपाध्यक्ष अमूल्य कुमार देवता,महासचिव निशांत कुमार नंदा के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

व्यापार, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के दृष्टिकोण" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

एलएनसीटी कॉलेज में राष्ट्रीय संगोष्टी का आयोजन....

संवाददाता न्यूज ● चंड़ीगढ़

भोपाल लक्ष्मी नारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी में "तकनीक और सततता में उभरते रुझान – व्यापार, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी के दृष्टिकोण" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया। LNCT समूह के सचिव डॉ. अनुपम चौकसे के नेतृत्व में आयोजित इस संगोष्ठी का उद्देश्य नवाचार, सततता और अंतर्विषयक सहयोग के संगम की खोज करना था।

संगोष्ठी

इस संगोष्ठी में देशभर से प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, उद्यमियों और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिससे विचारोत्तेजक चर्चाओं और गहन दृष्टिकोणों के लिए एक सशक्त मंच तैयार हुआ।

कार्यक्रम की शुरुआत भव्य गणेश वंदना से हुई, जिसके पश्चात पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह और सरस्वती वंदना आयोजित की गई। सभी गणमान्य अतिथियों को सम्मान स्वरूप पौधे भेंट किए गए, जिससे संगोष्ठी की सततता के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित हुई।

मुख्य वक्ता के रूप में मध्य प्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (FMPCCI) के अध्यक्ष श्री दीपक शर्मा ने उद्बोधन दिया, जिसमें उन्होंने पारिस्थितिक चेतना के साथ औद्योगिक नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रारंभिक सत्र में प्रो. (डॉ.) अरविंद सिंह, निदेशक, प्रबंधन एवं वाणिज्य संकाय, LNCT द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया, जिसमें संगोष्ठी के उद्देश्यों और दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया।

पहले तकनीकी सत्र का विषय था "व्यवसाय, तकनीक और सततता", जिसमें प्रेरणादायक वक्तव्य प्रस्तुत किए गए:

श्री प्रदीप करंबेलकर, निदेशक, Vision Invest Tech Pvt. Ltd. एवं अध्यक्ष, FICCI CMSME

प्रो. सत्यजीत मजूमदार, प्रबंध निदेशक, TISS Incube Foundation

दोनों वक्ताओं ने तकनीक के साथ सतत व्यावसायिक प्रथाओं और समावेशी विकास के एकीकरण पर महत्वपूर्ण विचार साझा किये

कार्यक्रम का समापन

समापन सत्र के साथ हुआ, जिसमें AIMA प्रमाणपत्रों का वितरण किया गया और आयोजकों द्वारा सभी वक्ताओं, गणमान्य अतिथियों, संकाय सदस्यों और उत्साही छात्र प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया, जिन्होंने इस संगोष्ठी को सफल बनाने में योगदान दिया।

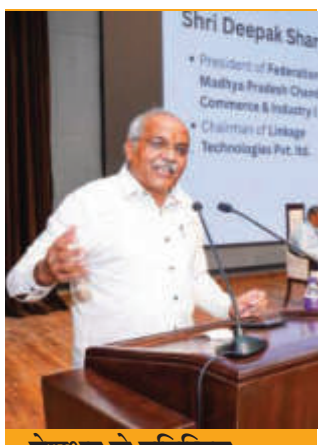

देशभर से प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, उद्यमियों और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया.

पराली जलाते पकड़ा, FIR करने थाने में दिया आवेदन

संवाददाता ● भोपाल

पराली जलाने वालों के खिलाफ प्रशासन की ओर से कार्रवाई शुरू कर दी गई है। शनिवार को पटवारी, नगर निगम के वार्ड प्रभारी, पंचायत सचिव और ग्राम विस्तार अधिकारी की टीमें सक्रिय रहीं। इस दौरान कोलार में टीम ने अमरावदकला में खेत में पराली जलते पकड़ी। तब फायर ब्रिगेड बुलाकर न सिर्फ आग बुझाई गई, बल्कि संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए कोलार थाने में आवेदन भी दिया गया है।

जुर्माना

नगर निगम के साथ टीम ने कटारा हिल्स में किसान पर 7500 रुपए का जुर्माना लगाया। इसके अलावा मिसरोद, बरई और कटारा हिल्स में पराली जलाने के चार प्रकरण बनाए गए हैं। कोलार एसडीएम रविशंकर राय ने बताया कि जो चार प्रकरण तैयार किए गए हैं उनमें किसानों की जमीन का रकबा निकाला जा रहा है।

इसके आधार पर ही यह तय होगा कि किस पर कितना जुर्माना लगाया जाए। रविवार को इसकी जानकारी निकालकर जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि कलेक्टर पराली जलाने पर जुर्माना लगाने के आदेश के बावजूद शहर और आसपास खेतों में बहुतायत में पराली जलाई जा रही है। लेकिन, कार्रवाई नहीं की जा रही थी। दैनिक भास्कर ने शनिवार के अंक में ग्राउंड रिपोर्ट प्रकाशित कर इस मुद्दे को उठाया। इसके बाद जिम्मेदारों की ओर से कार्रवाई की गई।

आईसेक्ट द्वारा "विकसित भारत के निर्माण में कौशल विकास, वित्तीय समावेशन और सामाजिक उद्यमिता की भूमिका" विषय पर...

चौथे समर्थ भारत कान्क्लेव का आयोजन आज से

सम्मेलन 21 और 22 अप्रैल को कुशाभाऊ ठाकरे हॉल, भोपाल में किया जाएगा। साथ ही आईसेक्ट द्वारा 25 अप्रैल से 25 मई तक भारत के 19 राज्यों में राज्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाना है।

संवाददाता ● भोपाल

भारत का अग्रणी सामाजिक उद्यम आईसेक्ट द्वारा चौथे समर्थ भारत कॉन्क्लेव - 2025 का आयोजन किया जा रहा है। इस कॉन्क्लेव का विषय ' विकसित भारत के निर्माण में कौशल विकास, वित्तीय समावेशन और सामाजिक उद्यमिता की भूमिका' है। यह सम्मेलन 21 और 22 अप्रैल को कुशाभाऊ ठाकरे हॉल, भोपाल में किया जाएगा। साथ ही आईसेक्ट द्वारा 25 अप्रैल से 25 मई तक भारत के 19 राज्यों में राज्य सम्मेलनों का आयोजन किया जाना है। यह वार्षिक सम्मेलन विकसित भारत के निर्माण के हमारे साझा मिशन में एक साथ आने, सीखने और सहयोग करने का एक अनूठा मंच है।

जनहित

आईसेक्ट भोपाल मध्य प्रदेश में इस राष्ट्रीय-सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, जिसमें व्यावहारिक नेतृत्व सत्र, प्रतिष्ठित सामाजिक उद्यमियों, नीति निर्माताओं के वक्तव्य, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी-संचालित सामाजिक नवाचार पर केंद्रित पैनल चर्चाओं का आयोजन होगा। सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के विषय विशेषज्ञ और वक्ता भाग लेंगे। साथ ही देश भऱ से 1500 से अधिक सूक्ष्म-उद्यमी भी कॉन्क्लेव का हिस्सा बनेंगे जिन्हें देश में उभरते नए स्किल डेवलपमेंट फ्रेमवर्क, कौशल विकास के नए क्षेत्रों सहित नई योजनाओं इत्यादि की जानकारी प्राप्त करने का मौका मिलेगा। इस प्रकार समारोह में देश भर से करीब 4000 से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

समारोह में पहले दिन 21 अप्रैल को बतौर मुख्य अतिथि मप्र शासन के नई एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला उपस्थित होंगे। वहीं अन्य अतिथियों में कर्नल अनिल कुमार पोखरियाल, सीईओ एमईपीएससी, साहिल गोयल, प्रबंधक, एनएसडीसी, डॉ. किरण रंजना, सलाहकार, एनएसडीसी, पद्मवति जोशी, रीजनल सेल्स मैनेजर, गूगल, मनीष मल्होत्रा, सीईओ, फुटरेड, शरद तिवारी, जॉइंट डायरेक्टर, एनएचएम, एमपी शामिल होंगे। दूसरे दिन 22 अप्रैल को उद्घाटन सत्र एवं समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में क्रमशः मप्र शासन कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्री गौतम टेटवाल और मप्र शासन में पंचायती एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमति राधा सिंह उपस्थित रहेंगी। इस दौरान कार्यक्रम के अन्य विशिष्ट अतिथियों में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया – जोनल ऑफिस के जनरल मैनेजर तरसेम सिंह जीरा, एसबीआई मुम्बई कॉर्पोरेट ऑफिस में डीजीएम विमल कुमार खाब्या, एसबीआई भोपाल एलएचओ डीजीएम जितेंद्र सिंह एवं आईसेक्ट समूह के संस्थापक एवं चेयरमैन संतोष चौबे उपस्थित रहेंगे।

इस दौरान कार्यक्रम में विभिन्न विषयों में नॉलेज सेशन्स का आयोजन होगा जिसमें "स्किल इंडिया मिशनः ट्रांसफोर्मिंग इंडियाज वर्कफोर्स फॉर द फ्यूचर", "इम्पोर्टेंस ऑफ काउंसलिंग इन होलिस्टिक यूथ डेवलपमेंट", "ग्लोबल पाथवे फॉर हायर एजुकेशन", "स्किलिंग द नेक्स्ट जेनरेशन" जैसे इत्यादि विषय शामिल रहेंगे। इसके अलावा आईसेक्ट एवं अन्य संस्थाओं के साथ एमओयू हस्तांतरण, पुस्तक एवं प्रोफाइल का विमोचन, विभिन्न कैटेगरीज में पुरस्कार वितरण किया जाएगा। इस वर्ष सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के सूक्ष्म उद्यमियों और छात्रों के लिए विभिन्न व्यावसायिक अवसरों का प्रदर्शन करने वाला एक एक्सपो भी आयोजित किया जाएगा। इसके आईसेक्ट द्वारा देश भर में हाल ही में आयोजित किए गए रोजगार मेलों से चयनित छात्रों को नौकरी के ऑफर लेटर्स भी प्रदान किए जाएंगे।

इस प्रतिष्ठित सम्मेलन पर अधिक प्रकाश डालते हुए आईसेक्ट के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा, "हमारा मानना है कि सामाजिक उद्यमिता और कौशल विकास देश में समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इसी दृष्टिकोण के साथ आईसेक्ट कौशल विकास, प्रशिक्षण, उच्च शिक्षा, वित्तीय समावेशन, प्रशिक्षुता, ऑनलाइन शिक्षण और डिजिटल सेवाओं के क्षेत्रों में काम कर रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंच बनाकर कौशल विकास और डिजिटल साक्षरता का प्रसार कर रहा है।

संपादकीय

कांग्रेस का पुराना राग

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर तमाम पार्टियां अपनी समीकरण बनाने, एकदूसरे पर हमला करने और आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति अपनी रणनीतियां बनाकर मैदान में कूद गई हैं। अब जबकि बिहार के किसी समय प्रभावी नेता रहे लालू यादव लगभग परिदृश्य से ओझल होते जा रहे हैं, ऐसे में तेजस्वी यादव की आक्रामक राजनीति को समझा जा सकता और वे भारतीय जनता पार्टी, केंद्र सरकार और यहां तक कि कांग्रेस को भी लताड़ने से बाज नहीं आ रहे हैं। इधर अखिलेश यादव कांग्रेस की समय समय पर निंदा करते रहे हैं और टीएमसी की नेता ममता बैनर्जी तो हमेशा से ही कांग्रेस पर हमलावर रही हैं। और भारतीय जनता पार्टी और उसके नेता तो हर मौके पर कांग्रेस की आरती उतारते रहते हैं। अब जबकि कांग्रेस भाजपा और उसके नेताओं तथा अपने ही सहयोगी दलों के निशानों पर है तो वह अपने को चारों तरफ से घिरा पाती है और इसीलिए बिहार की राजनीति को लेकर वह कुछ सचेत है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बिहार दौरे पर हैं। और वहां उन्होंने कांग्रेस की लाइन पर ही अपनी बात को जनता के बीच रहा है। उन्होंने बक्सर में जनता के सामने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्याग्रह आंदोलन भी बिहार के चंपारण से शुरू किया था। यह आंदोलन आजादी की लड़ाई से जुड़ा था। अब हम 'जय बापू, जय भीम और जय संविधान रैली' को लेकर इस महान धरती पर आए हैं और जो कि हमारा सौभाग्य है। मैं अपने आप को भाग्यशाली मानता हूं कि आज गंगा जी के तट पर बसे इस क्षेत्र में आने का अवसर मिला, जो संविधान सभा के प्रोटेम अध्यक्ष सच्चिदानंद सिन्हा जी की भूमि भी है। बिहार की धरती पर महात्मा बुद्ध ने तपस्या कर ज्ञान पाया और आज सारी दुनिया बुद्ध जी के शांति संदेश को मानती है। गुरु गोविंद सिंह भी इसी धरती पर जन्मे और कई अन्य महापुरुष, समाज सुधारक भी बिहार की धरती से निकले। यहां से कई राजनेता भी आए, जिन्होंने देश के लिए अपना योगदान दिया।' जाहिर है बिहार की जनता को उन्होंने भावुक होकर प्रभावित करने की कोशिश की।

लेकिन यह राजनीति में यह भावुकता अल्पकाल के लिए तो असरकारी साबित हो सकती है लेकिन दीर्घकालीन राजनीति में कतई अपना असर नहीं डाल सकती है क्योंकि यदि मल्लिकार्जुन खरगे इतने बड़े बड़े नामों को लेकर जनता को संबोधित कर रहे हैं जाहिर है कांग्रेस की कथनी और करनी में एक बड़ी फांक है और यही कारण है कि खरगे का यह भाषण जनता पर असर नहीं डाल पाएगा क्योंकि कांग्रेस को काम करने के दिखाना होगा। गुजरात में हाल ही में कांग्रेस का जो कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ था इसमें राहुल गांधी ने दलितों और संविधान के बारे में बढ़ चढ़कर बातें कही थी। और बक्सर में खरगे ने भी यही बातें कही। उन्होंने भी जय बापू, जय भीम और जय संविधान का उद्घोष किया। हालांकि उन्होंने को आड़े हाथों लेते नीतीश कुमार पर भी निशाना साधा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार की जोड़ी केवल कुर्सी के लिए है। यह जोड़ी बिहार के विकास के लिए नहीं है। नीतीश कुमार एक बार इंडिया गठबंधन की गोद में आते हैं। इसके बाद यहां कुछ दिन गुजारने के बाद लगा कि भाजपा आनेवाली है तो वह इधर से उधर चले जाते हैं। यह देश के लिए सही नहीं। वह गरीब, किसान, अछूत, पिछड़ा और अति पिछड़ा को बर्बाद करने लिए उधर जाते हैं। निश्चित रूप से कांग्रेस की यह बात सही है क्योंकि पिछले कुछ सालों में नीतीश कुमार ने अवसरवादी राजनीति के नए प्रतिमान गढ़े हैं और वे अपना ही नकाब कई बार उतार चुके हैं।

लेकिन कांग्रेस को दूसरी पार्टियों पर हमला करने और आरोप लगाने की राजनीति से दूर रहकर बिहार के लिए गुणात्मक और सकारात्मक राजनीति के लिए अपनी ठोस नीति और कार्यक्रमों को बताना चाहिए। यदि कांग्रेस, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे सहित उनके नेता सिर्फ हमला और आरोप लगाने तक सीमित रहेंगे तो यह पार्टी मध्यप्रदेश, राजस्थान और हरियाणा की तरह बिहार में नाकामयाब साबित होगी।

कही-सुनी

• शब्दार्थ | **शार्दुल : शेर**

व्याघ्र, वनराज, केशरी, मृगराज।

• कहन | **थर थर कांपना : अत्यधिक भयभीत होना।**

भारतीय फौजियों को देख आतंकवादी थरथर कांपने लगा।

कविता

अन्योन्याश्रित

हवा चूमती है फूल को
और फिर नहीं रह जाती है वही हवा
कि उसके हर झोंके पर
फूल ने लगा दी है अपनी मुहर

और फूल भी कहां रह गया है वही फूल
कि उसकी एक-एक पंखुड़ी पर
हवा ने लिख दी है सिहरन

फूल के होने से महक उठी है हवा
हवा के होने से
दूर-दूर तक फैल रही है फूल की खुशबू
इस तरह एक के स्पर्श ने
किस तरह सार्थक कर दिया है दूसरे का होना।

अरुण आदित्य

2 मार्च 1965 प्रतापगढ़ (उप्र) में जन्मे कवि अरुण आदित्य दुष्यन्त पुरस्कार, अभिनव शब्द शिल्पी सम्मान, बेकल उत्साही सम्मान सम्मान से सम्मानित हैं। रोज ही होता था यह सब और धरा का स्वप्न हरा है कविता संग्रह तथा उपन्यास उत्तर वनवास प्रकाशित हैं।

ट्रेंडिंग ऑन टॉप

#maharashtra

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे से फिल्म निर्देशक और अभिनेता महेश मांजरेकर ने यूट्यूब चैनल के इंटरव्यू में पूछा था कि क्या वे भविष्य में कभी उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन कर सकते हैं? इस पर राज ठाकरे ने कहा, 'किसी भी बड़ी बात के सामने हमारे विवाद या हमारे झगड़े बहुत छोटे हैं। महाराष्ट्र बहुत बड़ा है। महाराष्ट्र के अस्तित्व, मराठी लोगों के अस्तित्व के सामने ये झगड़े और विवाद बहुत ही मामूली हैं। मुझे नहीं लगता कि साथ आने या साथ रहने में कोई मुश्किल है, लेकिन मुद्दा केवल इच्छा का है। हमें 'लार्जर पिक्चर देखनी चाहिए, मैं वही देख रहा हूं। मैं तो चाहता हूं कि महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दलों से जुड़े सभी मराठी लोग एक साथ आएं और एक पार्टी बनाएं।' उनसे पूछा गया कि शिवसेना से शिंदे गुट की बगावत और पार्टी में टूट पर क्या कहेंगे, तो राज ठाकरे ने कहा, 'मैं दूसरों की मेहनत पर अपनी लकीर नहीं पिटता। शिंदे का अलग होना और विधायकों के साथ बाहर जाना एक अलग तरह की राजनीति का हिस्सा है। जब मैंने शिवसेना छोड़ी तो कई विधायक और सांसद मेरे पास आए। तब भी मैं ऐसा करने में सक्षम था, लेकिन मैं बालासाहेब के अलावा किसी और के अधीन काम नहीं कर सकता। मैं उस समय शिवसेना में था। उद्धव के साथ काम करने में कोई समस्या नहीं थी, लेकिन क्या सामने वाला व्यक्ति चाहता था कि मैं उसके साथ काम करूं?'इंटरव्यू के दौरान बालासाहेब ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे ने कहा, जब वे शिवसेना में थे तो उन्हें उद्धव के साथ काम करने में आपत्ति नहीं थी। सवाल यह है कि क्या दूसरा पक्ष भी उनके साथ काम करना चाहता है। वे ऐसी चीजों में अपने अहंकार को आड़े नहीं आने देता। उन्होंने भाजपा के साथ गठजोड़ के सवाल पर कहा कि उनके साथ जाना राजनीतिक फैसला हो सकता है, लेकिन हम दोनों की विचारधारा अलग है। हालांकि राजनीति में चीजें बहुत जल्दी बदलती भी हैं। राज ठाकरे के इस बयान को लगभग दो दशकों के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है।

नेशनल हेराल्ड

सोनिया गांधी और उनके पुत्र राहुल गांधी समेत अन्य के विरुद्ध नेशनल हेराल्ड मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पहला आरोप पत्र अदालत में दाखिल कर दिया है। सवाल यह है कि कांग्रेस अदालती कार्यवाही का सम्मान करे।

अदालती कार्यवाही का सम्मान करें

देश के प्रथम व प्रतिष्ठित राजनीतिक गांधी परिवार की पुत्रवधू सोनिया गांधी और उनके पुत्र राहुल गांधी समेत अन्य के विरुद्ध नेशनल हेराल्ड मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पहला आरोप पत्र अदालत में दाखिल कर दिया है। इस मामले में कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा और पत्रकार सुमन दुबे भी आरोपी हैं। दुबे राजीव गांधी फाउंडेशन के ट्रस्टी भी हैं। यह आरोप पत्र 9 अप्रैल 1925 को विशेष जज विशाल गोगने की अदालत में पेश किया गया। अब इस पर अगली सुनवाई 25 अप्रैल को होगी। इसी दिन अदालत में केस डायरी भी प्रस्तुत करनी होगी। ईडी इसी प्रकरण में नेशनल हेराल्ड और एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (एजेएल) से संबंधित 661 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों पर कब्जे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

प्रमोद भार्गव
स्वतंत्र लेखक

ये संपत्तियां दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में हैं। इस कार्यवाही के बाद देशभर में कांग्रेस ने सड़कों पर उतरकर राष्ट्रपति के नाम को केंद्र सरकार को कठघरे में खड़ा करते हुए कलेक्टर को ज्ञापन भी दिए। कहा गया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की आड़ में लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। जबकि याद रहे यह मामला 2012 का है, उस समय यूपीए गठबंधन की केंद्र में सरकार थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे। इस मामले की जांच 2015 से चल रही है। मालूम हो जनहित याचिकाएं दायर करने के बुद्धि विषेशज्ञ डॉ. सुब्रमण्यम स्वामी ने इस प्रकरण से जुड़ी याचिका 2013 में दाखिल की थी। इस समय भी केंद्र में यूपीए की सरकार थी। अतएव कांग्रेस को ईडी और अदालती कार्यवाही का सम्मान करने की जरूरत है।

दरअसल दो हजार करोड़ रुपए के नेशनल हेराल्ड से संबंधित स्वामित्व व परिसंपत्तियों के हस्तांतरण से जुड़ा एक मामला निजी इस्तगासे के तहत निचली अदालत में विचाराधीन है। याचिकाकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी ने अदालत में दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करके यह दावा किया था कि अखबार का मालिकाना हक रखने वाली कंपनी 'द एसोसिएट्स जर्नल्स लिमिटेड' के स्वामित्व और परिसंपत्तियों के हस्तांतरण में धोखाधड़ी की गई है। इससे लाभान्वित होने वाले सोनिया गांधी और राहुल गांधी हैं। न्यायालय ने पहली नजर में इस मामले को सुनने योग्य माना और प्रक्रिया आगे बढ़ा दी। तभी से कांग्रेस राजनीतिक प्रतिषोध के चलते इस मामले को झूठा ठहराने में लगी हुई है। साफ है, सोनिया, राहुल अपने को फंसता देख जानबूझकर मामले को सियासी साजिश करार देने में लगे हैं। यहां सोचने की जरूरत है कि वाकई न्यायपालिका राजनीति की कठपुतली है तो फिर 2013 में जब स्वामी ने अदालत में याचिका दाखिल की थी,तब अपनी राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल इस याचिका को खारिज कराने में क्यों नहीं किया? याचिकाएं लगाने में सिद्धहस्त स्वामी ने कोई इकलौती यही याचिका दाखिल नहीं की,वे कई जनहित याचिकाएं लगाकर अपनी कानूनी लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाने में सफल हुए हैं। टूजी स्पेक्ट्रम घोटाले से जुड़ी याचिका भी स्वामी ने षीर्श न्यायालय में लगाई थी। 1.76 हजार करोड़ के इस घोटाले की याचिका लगाने के समय भी केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी और सोनिया सर्वेसर्वा थीं। बावजूद पुख्ता दस्तावेजी साक्ष्य होने के कारण कांग्रेस के सहयोगी दल के नेताओं को जेल के सींखचों में जाना पड़ा था। यदि न्यायालय राजनेताओं के दिशा-निर्देशन के अनुसार वाकई चलती हैं,तो माननीय सोनिया जी संप्रग सरकार की भद् पिटवाने वाली इस कार्यवाही को क्यों नहीं रोक पाईं? गोया पूरा देश जानता है कि अदालतों का राजनीतिक हस्तक्षेप से कोई वास्ता नहीं है। न्यायालयीन प्रक्रिया स्वतंत्र रूप से कानूनी दायरे में गतिशील रहते हुए अंतिम परिणाम तक पहुंचती है। इस लिहाज से कांग्रेस द्वारा केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को दोषी ठहराना उचित नहीं है।

नेशनल हेराल्ड से जुड़ा मामला बेहद गंभीर है। प्रथम दृष्टया दस्तावेजी साक्ष्यों की पड़ताल करने से ही यह साफ हो जाता है कि दाल में कुछ काला है। दरअसल एजेएल नेशनल हेराल्ड अखबार की मालिकाना कंपनी है। कांग्रेस ने एजेएल को 90 करोड़ का कर्ज दिया। इसके बाद 5 लाख रुपए की अंष पूंजी से यंग इंडियन कंपनी बनाई गई। जिसमें सोनिया व राहुल की 38-38 फीसदी भागीदारी तय की गई। शेष बची 24 प्रतिषत की हिस्सेदारी कांग्रेस नेता और पार्टी के कोशाध्यक्ष मोतीलाल बोरा और ऑस्कर फर्नांडीज को दी गई। अब दोनों नेता दिवंगत हो चुके हैं। इसके बाद एजेएल के 10-10 रुपए के नौ करोड़ षेयर यंग इंडियन को दे दिए गए। इसके बदले यंग इंडियन को कांग्रेस का कर्ज भी चुकाना था। 9 करोड़ शेयर के साथ यंग इंडियन का एजेएल की 99 फीसदी हिस्सेदारी मिल गईं। इसके बाद उदारता दिखाते हुए कांग्रेस ने 90 करोड़ जैसी बड़ी धनराशि का ऋण भी माफ कर दिया। मसलन कागजों में एक कंपनी का कृत्रिम वजूद खड़ा करके एजेएल का स्वामित्व बड़ी आसानी से हस्तांतरित कर दिया गया। अब 2000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति यंग इंडियन को गलत तरीके से स्थानांतरित की गई थी, आरोप है कि संपत्तियों का उपयोग करके फर्जी लेन-देन के जरिए लाखों-करोड़ों की रकम जुटाई गई। फर्जीदान, फर्जी अग्रिम किराया और फर्जी विज्ञापन के रूप में अवैध आय अर्जित की गई। जांच में पाए गए ऐसे ही दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया है। याद रहे ईडी ने 2021 से इस मामले की जांच कर रही है। ईडी ने जून 2022 में राहुल गांधी से पांच दिन में पचास घंटे और जुलाई 2022 में सोनिया गांधी से तीन दिन में करीब 12 घंटे पूछताछ की थी। इस मामले में मां-बेटे दिसंबर 2019 से जमानत पर हैं। वास्तव में अब जरूरत तो यह है कि एक जिम्मेदार और अनुभवी राजनीतिक दल होने के नाते सोनिया और राहुल समेत सभी आरोपियों को अपने निर्दोष होने के साक्ष्यों के साथ अदालत में अपना पक्ष रखना चाहिए। केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराने और संसद से सड़क तक हंगामे की बजाय कानूनी प्रक्रिया के अनुरूप व्यवहार जताने की आवश्यकता है, न कि सड़क पर प्रदर्शन की जरूरत? अदालती कार्यवाही पर भी उंगली उठाना,सर्वथा अनुचित आचरण का प्रतीक है।

> कहा गया कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता की आड़ में लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। जबकि याद रहे यह मामला 2012 का है, उस समय यूपीए गठबंधन की केंद्र में सरकार थी और मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे।

इस मामले में सोनिया गांधी को अपनी सास इंदिरा गांधी से भी प्रेरणा लेने की जरूरत है। उन्होंने अदालत की कार्यवाही का सामना करने में कभी हिचक नहीं दिखाई। रायबरेली चुनाव में धांधली के आरोप की सुनवाई के दौरान श्रीमती गांधी 18 मार्च 1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में हाजिर हुई थीं,वह भी प्रधानमंत्री रहते हुए। इस नाते वे देश की पहली प्रधानमंत्री थीं, जो अदालत के समन के सम्मान में अदालत में हाजिर हुई थीं। हालांकि मनमाफिक फैसला नहीं होने पर,इंदिरा गांधी जून 1975 में आपातकाल घोशित करने से भी नहीं चूकी थीं। इसके बाद जब 1977 से 1979 के बीच जनता पार्टी केंद्र में सत्तारूढ़ थी, तब भी उन्हें कई मर्तबा अदालत के कठघेरे में खड़ा होना पड़ा था।

इस लिहाज से सोनिया को अपनी सास से अदालत का सम्मान करने का सबक लेने की जरूरत है,न कि अवहेलना करने की ? संभव है जिरह और न्यायिक प्रक्रिया की कसौटी पर स्वामी के दस्तावेजी साक्ष्य और ईडी के आरोप बेदम साबित हो जाएं और अदालत मामला ही खरिज कर दे? यह एक उम्मीद है,लेकिन यदि स्वामी जैसी कि दलील दे रहे हैं कि प्रस्तुत साक्ष्य कूटरचित और कथित रूप से व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने वाले हैं और अदालत उन्हें सही पाती है तो कानून में ऐसे आरोप में जिस सजा का प्रावधान है, अतएव आरोपियों का बच निकलना मुश्किल होगा?

इति-खास | 21 अप्रैल 1453 : गोल्डन रिसीवर डूबा

इसी दिन 1453 में टर्किश सेना ने गोल्डन रिसीवर जहाज को डूबो दिया था।

दैनिक आदित्य भारत !! श्रीकृष्ण शरणंमम !! सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, सोमवार, 21 अप्रैल, 2025
www.adityabharat.com

इमरान हाशमी ने बताई बॉलीवुड की सच्चाई
यहां कोई किसी का नहीं

इमरान हाशमी इन दिनों फिल्म ग्राउंड जीरो को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में फैली निगेटिविटी को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड में सपोर्ट और एकता की कमी है। इतना ही नहीं यहां कई लोग एक-दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं और दूसरों की कामयाबी को महत्व नहीं दिया जाता।

एक-दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं

सिद्धार्थ कन्नन ने इमरान हाशमी से पूछा कि कभी-कभी ये सुनने को मिलता है कि इंडस्ट्री एक नहीं है। लोग एक-दूसरे को नीचे खींचने की कोशिश करते हैं? इसके जवाब में एक्टर ने कहा, हां बिल्कुल ऐसा ही है। मैंने भी ये महसूस किया है। मैं यह नहीं कह सकता कि यह कौन करता है। कैसे करता है या फिर उनकी मैनिपुलेशन की तरकीबें क्या हैं, लेकिन इतना जरूर है कि ऐसा होता है। इस इंडस्ट्री में कुछ लोगों की सोच बहुत खराब है।

SONAL CHAUHAN

....रेस्टोरेंट से बॉलीवुड का सफर

पहली ही फिल्म ने मचाई धूम

बॉलीवुड की एक एक्ट्रेस को उसको पहली फिल्म रेस्टोरेंट में मिली थी। डायरेक्टर की उस पर नजर पड़ी और एक सप्ताह के अंदर फिल्मी डेब्यू करवा दिया था। आज हम आपको उस एक्ट्रेस का किस्सा बताने जा रहे हैं जो रेस्टोरेंट में बैठी थी और डेब्यू फिल्म मिल गई थी। इस एक्ट्रेस की खूबसूरती में डायरेक्टर ऐसा फिदा हुआ कि एक सप्ताह के अंदर बॉलीवुड डेब्यू करवा दिया था। इस एक्ट्रेस की 2008 में रिलीज हुई पहली फिल्म 'जन्नत' लोगों को खूब पसंद आई थी और इसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी।ये एक्ट्रेस है सोनल चौहान। बॉलीवुड इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस सोनल चौहान ने कई फिल्मों में काम किया है। वे अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती हैं। सोनल चौहान ने साल 2005 में मिस वर्ल्ड टूरिज्म का खिताब जीता था। वह ऐसा करने वाली पहली भारतीय थीं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर मॉडल की थी।

'जाट' से विवादित सीन हटाया

सनी देओल की फिल्म जाट 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ठीक-ठाक कमाई कर रही है। फिल्म की कुल कमाई 66 करोड़ रुपये पहुंच गई है। जाट की रिलीज के बाद एक सीन के कारण हल्ला शुरू हो गया। बात यहां तक पहुंच गई कि फिल्म को बैन कर दिया जाए।

विवादित सीन में रणदीप हुड्डा का किरदार

इसी सीन पर धार्मिक भावनाएं भी आहत होने के आरोप लगे। जिसके बाद मेकर्स ने कदम उठाया है। साथ ही उन्होंने मांफी मांगते हुए एक बयान भी जारी किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर लिखा, फिल्म के सीन पर विवाद हुआ। जिसे हमने तत्काल प्रभाव से फिल्म से हटा दिया है। किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और आहत करने की मंशा नहीं थी। इसका हमें अफसोस है, इसलिए हमने उस सीन फिल्म से डिलीट कर दिया है। जिनकी भी भावनाएं ठेस पहुंची हैं हम सभी से माफी मांगते हैं।

धनुष की फिल्म के सेट पर भीषण आग जलकर हुआ राख

साउथ सुपरस्टार धनुष की अपकमिंग फिल्म इडली कडाई के सेट पर भीषण आग लग गई है। आग से सेट जलकर राख हो चुका है। हालांकि रिपोर्ट्स की मानें तो इससे किसी व्यक्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। फिलहाल आग लगने का कारण सामने नहीं आ सका है। फिल्म इडली कडाई की शूटिंग बीते कुछ समय से तमिलनाडु के थेनी जिले के पास स्थित अंदीपट्टी गांव में चल रही थी। शूटिंग के लिए गांव में सड़क, घरों और दुकानों का बड़ा सेट तैयार किया गया था। इस सेट पर कुछ दिनों के लिए शूटिंग रोककर दूसरे सेट पर की जा रही थी। इस लोकेशन पर जल्द ही दोबारा शूटिंग शुरू की जाने वाली थी, हालांकि इससे पहले ही सेट आग की चपेट में आ गया है।

डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू

हाल ही में आई द ब्लेज की रिपोर्ट के अनुसार, सेट को बनाने में ज्वलनशील मटेरियल का इस्तेमाल किया गया था। ऐसे में तेज हवाओं के चलते आग तेजी से फैल गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत आग देखकर अंदीपट्टी अग्निशमन विभाग को सूचना दी। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक सेट पूरी तरह जल चुका था। फिल्म इडली कडाई में लीड रोल निभाने के साथ-साथ धनुष ने ही इसे डायरेक्ट और को-प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म को इसी साल 1 अक्टूबर को रिलीज करने के लिए शेड्यूल किया गया है। फिल्म में धनुष के साथ साउथ एक्ट्रेस निथ्या मेनन लीड रोल में हैं।

मंदाकिनी और दाऊद का है सीक्रेट बेटा

दावे ने मचाई सनसनी

90 के दशक में मंदाकिनी और दाऊद इब्राहिम के अफेयर की खबरें हर तरफ पटी पड़ी थीं। दोनों की साथ वाली तस्वीरों ने खूब हंगामा मचाया था। लेकिन अब ज्यादा सनसनी मची है जब दावा किया गया कि दाऊद और मंदाकिनी का एक बेटा है। बात जब मंदाकिनी की होती है, तो एक तो 'राम तेरी गंगा मैली' फिल्म याद आती है, और दूसरा उनका दाऊद इब्राहिम संग अफेयर। दोनों के अफेयर के चर्चे साल 1994 में शुरू हुए थे, जब उन्हें एक क्रिकेट स्टेडियम में साथ देखा गया था। तब उनकी तस्वीरों ने तहलका मचा दिया था। लेकिन वक्त के साथ वही दाऊद इब्राहिम, मंदाकिनी की जिंदगी में एक 'नासूर' बन गया था। बताया जाता है कि दाऊद इब्राहिम के कारण मंदाकिनी को फिल्में मिलना बंद हो गई थीं, और करियर ढलान पर चला गया था। एक किताब में तो यह भी दावा किया गया था कि मंदाकिनी और दाऊद इब्राहिम का एक सीक्रेट बेटा भी है, जो अब बेंगलुरु में रहता है।

दिल्ली के पूर्व कमिश्नर का दावा

यह दावा साल 2015 में दिल्ली के पुलिस कमिश्नर रहे नीरज वर्मा ने किया था। साल 2013 में रिटायरमेंट ले चुके नीरज शर्मा ने दाऊद इब्राहिम पर 'Dial D for Don' नाम की किताब लिखी थी। इसी में उन्होंने मंदाकिनी और दाऊद का एक सीक्रेट बेटा होने का दावा किया था।दावा था कि एक्ट्रेस की बहन बेंगलुरु में दोनों का बेटा पाल रही है।

दाऊद का तीन बार लिया इंटरव्यू

नीरज कुमार ने यह भी दावा किया था कि उन्होंने दाऊद इब्राहिम का तीन बार इंटरव्यू लिया था। किताब में उन्होंने दाऊद इब्राहिम के एक बॉलीवुड एक्ट्रेस संग अफेयर का भी जिक्र किया था। साथ ही दावा किया था कि उन दोनों के बेटे को एक्ट्रेस की बहन बेंगलुरु में पाल रही है।इंटरव्यू में दाऊद ने मंदाकिनी का नाम नहीं लिया था।

किताब में शादी और बच्चे का जिक्र

हालांकि, उन्होंने किताब में कहीं भी यह नहीं बताया कि जिस वो एक्ट्रेस मंदाकिनी थीं। पर इतना जरूर दावा किया था कि यह बच्चा दाऊद इब्राहिम और 18 साल की एक्ट्रेस का है। दोनों ने गुपचुप शादी कर ली थी। साल 1994 में मंदाकिनी और दाऊद इब्राहिम की साथ वाली तस्वीरें वायरल होने के बाद से ही उनके अफेयर की खबरें आम थीं। बताया जाता है कि दाऊद, मंदाकिनी पर इस कदर फिदा था कि वह फिल्ममेकर्स से उन्हें ही फिल्मों में हीरोइन लेने के लिए कहता और धमकाता था।

दाऊद के कारण बर्बाद हुआ करियर

बेशक, मंदाकिनी ने दाऊद इब्राहिम संग नजदीकियों से इनकार किया था, पर जब पुलिस मुंबई बम धमाकों की जांच कर रही थी तो मंदाकिनी से भी पूछताछ की गई थी। बाद में मंदाकिनी को इस मामले में क्लीन चिट तो मिल गई, पर उनका करियर बर्बाद हो गया। मंदाकिनी अब फुल फ्लेजेड एक्टिंग से दूर हैं, पर बीच-बीच में कुछ रियलिटी शोज और म्यूजिक वीडियोज मे देखी जाती है ।

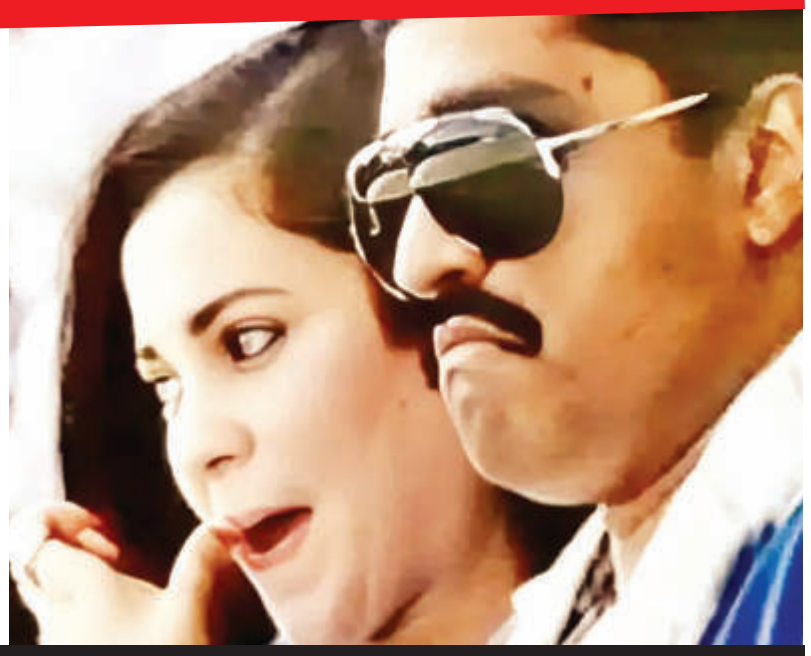

मुंबई बम धमाकों का मुख्य आरोपी था दाऊद

दरअसल, साल 1993 में मुंबई में हुए बम धमाकों में दाऊद इब्राहिम का नाम सामने आया था। वह उसका मुख्य आरोपी था, जो तब भारत से फरार हो गया था। ऐसे में जब मंदाकिनी और दाऊद इब्राहिम की नजदीकियों की खबरों ने जोर पकड़ा, तो सब डर गए। हालांकि, मंदाकिनी ने दाऊद इब्राहिम संग अफेयर से इनकार किया था। साल 2010 में एक मैगज़ीन को दिए इंटरव्यू में जब मंदाकिनी से दाऊद इब्राहिम के साथ रिश्ते पर सवाल पूछा गया, तो एक्ट्रेस ने कहा था, 'मैं नहीं चाहती कि अब लोग मेरा नाम दाऊद के साथ जोड़ें या फिर उस बारे में सोचें। वह अब बीते वक्त की बात है। मुझे यह देख बहुत बुरा लगता है कि लोग अभी भी मेरे नाम को उस घटना से जोड़कर भुना रहे हैं।

न्यूज

अभियान चलाकर किए जाएँगे राजस्व प्रकरणों का निराकरण- कलेक्टर

सुकमा. कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार राजस्व विभाग के द्वारा जिले के सभी ग्रामों में राजस्व संबंधी सभी कार्य निःशुल्क किया जा रहा है। ग्रामीणों की सुविधा के लिए पंचायतों में राजस्व कर्मचारियों और अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। कोंटा तहसील के चिंताकोंटा एवं सुन्नमगुड़ा गांव में गुरुवार को लगभग 29 ग्रामीणों को अपडेटेड बी-1 का वितरण किया गया। ग्राम के सभी खातेदारों को भूमि संबंधी दस्तावेज बी1 (किश्तबन्दी खतौनी आसामीवार), खसरे का निःशुल्क वितरण हल्का पटवारी के माध्यम से किया जा रहा है। ऐसे भूमिस्वामियों को जिनके पास किसान किताब नहीं हैं उन्हें चिन्हित कर तत्काल किसान किताब प्रदान किया जा रहा है। सभी ग्रामों में हल्का पटवारियों द्वारा बी1 का वाचन भी किया जा रहा है एवं मृत खातेदारों के स्थान पर उनके विधिक वरिसानों का नाम जोड़ने हेतु फौती-नामांतरण के आवेदन पत्र मौके पर ही लिया जा रहा है। परिजनों द्वारा आपसी सहमति के आधार पर बंटवारा की माँग किये जाने पर बँटवारा हेतु आवेदन लिया जा रहा है। पीएम किसान सम्मान निधि के पात्र हितग्राहियों के आवेदन पंचायतों में लिए जा रहे हैं। इसके साथ ही कृषि विभाग और अन्य संबंधित विभागों के द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के लिए प्रपत्र तैयार किए जा रहे हैं। जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) राजस्व के द्वारा कार्यों की सतत मॉनिटरिंग कर समीक्षा की जा रही है।

कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने बताया कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण के लिए पटवारियों और राजस्व निरीक्षकों को निर्देशित किया गया है। सभी पटवारी अगले 10 दिन में किसान किताब और अपडेटेड बी1 का वितरण करेंगे। यदि किसी हितग्राही को किसान किताब और बी1 न मिला हो तो संबंधित एसडीएम कार्यालय में इसकी सूचना दे सकते हैं। इसके साथ ही पीएम किसान सम्मान निधि और किसान क्रेडिट कार्ड के लिए पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर त्वरित आवेदन लिया जा रहा है।

प्रयास विद्यालय के प्रवेश परीक्षा में 79.20% विद्यार्थी उपस्थित...

सुकमा.मुख्यमंत्री बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत प्रयास आवासीय विद्यालयों के कक्षा 9 वी में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा रविवार को सुकमा जिले के 08 परीक्षा केंद्रों में आयोजित किया गया है। सहायक संचालक डॉ अनिल कुमार विरुलकर, श्री शिव कुमार बांधे और सहायक आयुक्त सुकमा श्री शरतचंद्र शुक्ला के द्वारा जिले के सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया। कुल 79.20 प्रतिशत विद्यार्थी प्रवेश परीक्षा में उपस्थित रहे।

सहायक आयुक्त श्री शरतचंद्र शुक्ला ने बताया कि सुकमा जिले के कुल 1592 विद्यार्थियों ने प्रवेश परीक्षा में भाग लेने के लिए पंजीयन किया था। इनमें से कुल 1261 विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित हुए और कुल 331 विद्यार्थी अनुपस्थित थे। सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षा शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। प्रयास आवासीय विद्यालय का महत्व प्रयास आवासीय विद्यालय छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा संचालित आवासीय विद्यालय हैं, जो विशेष रूप से आदिवासी और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के प्रतिभावान छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए तैयार करने पर केंद्रित हैं।इन विद्यालयों में कक्षा 9वीं से 12वीं तक पढ़ाई होती है और छात्रों को निःशुल्क राष्ट्रीय स्तर की मेडिकल और इंजीनियरिंग परीक्षाओं के लिए भी तैयारी कराई जाती है। इन विद्यालयों में प्रवेश के लिए एक प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है।

शिक्षा विभाग से शान्ति और छोटू को मिला मोबाइल फ़ोन

सुकमा. समावेशी शिक्षा अंतर्गत जिला शिक्षा अधिकारी श्री जीआर मंडावी एवं जिला मिशन समन्वय समग्र शिक्षा के सफल दिशा निर्देश पर जिले के दृष्टिबाधित छात्रा कुमारी शांति पीएम श्री स्कूल सुकमा कक्षा नवमी एवं मडकम छोटू पीएम श्री स्कूल सुकमा कक्षा आठवीं को मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुकमा श्रीमती नम्रता जैन के हाथों से एंड्राइड मोबाइल फोन, कीबोर्ड एवं हेडफोन वितरित किया गया।

दोनों छात्र राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा के द्वारा दिनांक 27 अप्रैल से 29 अप्रैल तक रायपुर में आयोजित एंड्राइड मोबाइल प्रशिक्षण में उपस्थित होंगे। दोनों छात्र स्पेशल एजुकेटर श्री रविशंकर साहू के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

महर्षि दयानंद के जीवन-मूल्यों और विचारों को आत्मसात करने से शारीरिक

जनकल्याण में आर्य समाज की भूमिका अनुकरणीय:मुख्यमंत्री

मानसिक एवं सामाजिक उन्नति का संकल्प होगा पूरा : राज्यपाल आचार्य देवव्रत

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत आज राजधानी रायपुर के डीडीयू ऑडिटोरियम में महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती और आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष के शुभ अवसर पर आयोजित धर्मरक्षा महायज्ञ एवं वैदिक सनातन संस्कृति सम्मेलन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस दौरान धर्मरक्षा यज्ञ में हवन-पूजन कर प्रदेश कल्याण की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय और राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने छत्तीसगढ़ प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा तैयार पुस्तिका 'चुनौतियों का चिंतन' का विमोचन किया।

वर्षगांठ

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभा को संबोधित करते हुए महर्षि दयानंद सरस्वती का पुण्यस्मरण किया। उन्होंने कहा कि आर्य समाज को मानव कल्याण का कार्य करते हुए आज 150 वर्ष पूरे हो गए हैं। आर्य समाज के द्वारा निरंतर देश सेवा, धर्म-संस्कृति की रक्षा तथा जनजागरण का कार्य किया जा रहा है। श्री साय ने बताया कि वे महर्षि दयानंद के विचारों से प्रभावित होकर वर्ष 1999 से आर्य समाज से जुड़े हुए हैं और विभिन्न अवसरों पर समाज के मनीषियों का मार्गदर्शन उन्हें प्राप्त होता रहा है। आर्य समाज महर्षि दयानंद के विचारों को आगे बढ़ाते हुए संस्कार और शिक्षा का पुनीत कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री जी प्राकृतिक खेती और देशी नस्ल की गायों के उपयोग को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दे रहे हैं। प्रदेश सरकार निश्चित रूप से इस दिशा में अपने प्रयासों को और अधिक गति देगी। श्री साय ने कहा कि पिछले डेढ़ वर्षों में हमारी सरकार ने मोदी की गारंटियों को पूरा करने का कार्य किया है। गरीब परिवारों को आवास उपलब्ध कराने के लिए हमने पहले ही कैबिनेट में 18 लाख आवास की स्वीकृति दी थी और अब आवास प्लस-प्लस का सर्वेक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जरूरतमंद परिवारों को पक्का घर उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही भूमिहीन मजदूरों को सालाना 10 हजार रुपये, माताओं-बहनों को प्रति माह एक हजार रुपये, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना और रामलला दर्शन योजना के माध्यम से प्रदेशवासियों के तीर्थदर्शन के पुण्य संकल्प को भी पूरा किया जा रहा है।

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने महर्षि दयानंद सरस्वती को नमन करते हुए कहा कि उनके जीवन-मूल्यों और विचारों को आत्मसात करने से शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक उन्नति का संकल्प पूरा होगा। उन्होंने महर्षि दयानंद की संपूर्ण जीवन-यात्रा और उद्देश्यों पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक कृषि और देशी गौवंश की रक्षा एवं उनका संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर यदि हम गौपालन को लाभकारी बनाएंगे, तो समाज में उसकी रक्षा हेतु स्वाभाविक चेतना विकसित होगी। इससे सड़कों पर पशुओं के विचरण की समस्या स्वतः समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि जैविक खेती के माध्यम से हम स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकते हैं।

इस अवसर पर योग आयोग के अध्यक्ष श्री रूप नारायण सिन्हा, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्री विशेषर पटेल, स्वामी धर्मानंद सरस्वती जी महाराज, श्री सुरेश जी, कैप्टन रुद्रसेन, श्री विनय आर्य, डॉ. राजेंद्र विद्या अलंकार, श्री प्रबल प्रताप जूदेव, आर्य समाज के श्री रामकुमार पटेल सहित आर्यवीर और आर्य समाज के अनुयायी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल से कुनकुरी में किडनी मरीजों को बड़ी राहत

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की दूरदर्शी पहल और संवेदनशील नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। इसी क्रम में जशपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, कुनकुरी में स्थापित चार बिस्तरों वाला डायलिसिस सेंटर किडनी रोगियों के लिए वरदान साबित हो रहा है।

विस्तार

21 फरवरी 2025 से शुरू हुए इस डायलिसिस सेंटर में अब तक 315 से अधिक डायलिसिस सेशन सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं। रोजाना दो से तीन मरीज यहां उपचार हेतु पहुँच रहे हैं। अत्याधुनिक डायलिसिस मशीनों से सुसज्जित यह सेंटर मरीजों को न केवल समय पर इलाज उपलब्ध करा रहा है, बल्कि उन्हें बाहर अन्य शहरों की ओर रुख करने से भी राहत मिल रही है। इससे मरीजों के समय और पैसे दोनों की बचत हो रही है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत गरीब और जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क डायलिसिस सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वर्तमान में जिले में तीन डायलिसिस यूनिट कार्यरत हैं। जिला अस्पताल जशपुर में 5 बिस्तरों की, पत्थलगांव में 3 बिस्तरों की और अब कुनकुरी में 4 बिस्तरों की यूनिट शुरू की गई है। स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन की दिशा में मुख्यमंत्री श्री साय की प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उनकी अगुवाई में कुनकुरी में मेडिकल कॉलेज स्थापना के लिए बजटीय प्रावधान किए गए हैं। साथ ही जशपुर में प्राकृतिक चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी केंद्र, शासकीय नर्सिंग कॉलेज तथा शासकीय फिजियोथेरेपी कॉलेज की स्थापना का निर्णय लिया गया है।

छत्तीसगढ़ सरकार प्रदेश के दूरस्थ अंचलों तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने हेतु सतत प्रयासरत है। कुनकुरी में डायलिसिस सेंटर की शुरुआत इसी प्रयास का प्रत्यक्ष उदाहरण है, जिससे स्थानीय नागरिकों को घर के पास ही जीवन रक्षक स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो रही हैं। स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव के समय वे शौचालय एवं नाश्ते की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं और इस दौरान स्टेशन स्टाफ भी पूरा सहयोग प्रदान करता है।

सुशासन और जनविश्वास का सेतु : मुख्यमंत्री श्री साय

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर प्रदेश के समस्त जनसंपर्क अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जनसंचार क्षेत्र से जुड़े सभी प्रतिनिधियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनसंपर्क आज मात्र सूचना के प्रसार का माध्यम नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच विश्वास और संवाद की सशक्त कड़ी है। शासन की योजनाओं, नीतियों और जनहितकारी कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आमजन तक पहुँचाने में जनसंपर्क की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ जनसंपर्क की भूमिका और भी व्यापक हो गई है।

आज जनसंपर्क की लोगों को शासन की योजनाओं के प्रति जागरूक करने में अहम भूमिका है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के विस्तार के इस युग में विश्वसनीय, सटीक और संवेदनशील संप्रेषण पहले से कहीं अधिक आवश्यक हो गया है। ऐसे में जनसंपर्क की जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। जनसंपर्क जनमत, जनचेतना और जनसेवा के त्रिवेणी संगम की तरह है। इसकी सक्रियता, संवेदनशीलता और संप्रेषण क्षमता जितनी सशक्त होगी, छत्तीसगढ़ में सुशासन की छवि उतनी ही मजबूत होगी। सही सूचना, सही समय पर, सही स्वरूप में जब आमजन तक पहुँचती है, तभी लोकतंत्र में विश्वास और सहभागिता मजबूत होती है।

कृषि मंत्री श्री नेताम ने किया महराजगंज, पचावल, जाबर और तेतरडीह में सर्वे का अवलोकन

बलरामपुर में 39 हजार से अधिक आवासहीन परिवारों का हुआ सर्वे

संवाददाता न्यूज ● रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्यव्यापी मोर दुआर-साय सरकार अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लिए पात्र हितग्राहियों का सर्वेक्षण किया जा रहा है। यह अभियान आगामी 30 अप्रैल तक चलेगा।

अभियान

कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने आज बलरामपुर जिले में संचालित किए जा रहे इस सर्वेक्षण अभियान का अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आवासहीन पात्र परिवारों का सर्वेक्षण किया जाए। उन्होंने ग्राम पंचायत महराजगंज, पचावल और जाबर एवं तेतरडीह में विशेष पखवाड़ा चौपाल में शामिल होकर आवास प्लस 2.0 में पात्र हितग्रहियों का सर्वे कार्य का अवलोकन किया।

उन्होंने कहा कि ऐसे पात्र हितग्राही जिन्हें पीएम आवास नहीं मिला है उन्हें आवास 2.0 सर्वेक्षण के माध्यम से जोड़ा जाए। पात्र हितग्राही खुद से भी अपने मोबाइल के माध्यम से अपना नाम सर्वे मे जुड़वा सकते है। उन्होंने इस मौके पर ग्रामीणों से चर्चा की और उनकी समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिले में अब तक 39506 सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। मंत्री श्री नेताम तेतरडीह में सुशासन तिहार में शामिल हुए और राज्य सरकार के जनहितैषी फैसलों, कार्यक्रमों की जानकारी विस्तार से दी। उन्होंने मिलेट्स के उत्पादन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि धान के अलावा भी कोदो, कुटकी की खेती को बढ़ावा दें शासन प्रशासन के द्वारा इनकी खरीदी की व्यवस्था भी की जाएगी। गौरतलब है कि "मोर दुआर-साय सरकार महाअभियान" के तहत तीन चरणों में आयोजित हो रहे प्रधानमंत्री आवास सर्वे का कार्य जिसके प्रथम चरण में 15 से 19 अप्रैल 2025 तक जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर आवास सर्वेक्षण पखवाड़ा चलाया गया।

अरुण साव ने महतारी सिलाई केंद्र का किया शुभारंभ

संवाददाता ● रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज रायपुर के चंगोराभाठा में महतारी सिलाई केंद्र का शुभारंभ किया। रायपुर नगर निगम द्वारा संचालित इस सिलाई केंद्र में महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के बाद सिलाई कार्य में दक्ष महिलाएं अपना स्वरोजगार शुरू कर सकेंगी।

स्वरोजगार

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने सिलाई केंद्र के शुभारंभ के बाद प्रशिक्षु महिलाओं से बात भी की। उन्होंने शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए यह अच्छी पहल है। यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार करेंगी। उन्होंने कहा कि इस तरह का सिलाई केंद्र सिर्फ रायपुर में ही नहीं, पूरे प्रदेश में हो, इसकी कोशिश करेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन की टीम की सराहना करते हुए कहा कि टीम ने यहां सिलाई प्रशिक्षण की अच्छी व्यवस्था की है। इस केंद्र को मॉडल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, ताकि अन्य शहरों में भी महिलाओं के लिए इस तरह के केंद्र प्रारंभ किए जा सकें।

महतारी सिलाई केंद्र के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने बताया कि उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव जब चंगोराभाठा में सांस्कृतिक कार्यक्रम में आए थे, तब उन्होंने उप मुख्यमंत्री से कहा था कि महिलाएं सिलाई सीखना चाहती हैं। आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के कारण गरीब महिलाएं सिलाई मशीन नहीं खरीद पाती हैं। उन्होंने मेरी मांग पर सिलाई केंद्र खोलने की घोषणा की थी जो आज मूर्त रूप ले रहा है।

ARKA
Arka Fincap Limited
(Formaly known as Indostar Home Finance Private Limited)
Registered & Corporate Office: 2504, 2505, 2506, 25th Floor, One Lodha Place, Lodha World Towers Senapati Bapat Marg, Lower Parel, Mumbai- 400013
CIN: U65993MH2018PLC308329 **Tel:** +91 22 40471000; **Fax:** +91 22 40471010
Website: www.arkaholdings.com/arka-fincap; **Email:** customercare@arkaholdings.com

सूचना

इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि अर्का फिनकैप लिमिटेड निम्नलिखित पते पर स्थित अपनी शाखा को स्थायी रूप से बंद करने का प्रस्ताव करता है: कार्यालय क्रमांक -6099, छठी मंजिल, लालगंगा करीने टॉवर, वीआईपी रोड, तेलीबांधा, रायपुर, छत्तीसगढ़, पिन-492001. 20 जुलाई 2025 से प्रभावी किसी भी सहायता के लिए, कृपया निकटतम शाखा/कार्यालय से संपर्क करें, या Grievenceredressal@arkaholdings.com पर ईमेल भेजें, या कंपनी के ग्राहक पोर्टल पर अनुरोध करें।

अर्का फिनकैप लिमिटेड के लिए एसडी/-
निकी मेहता
कंपनी सचिव

दिनांक: 21-04-2025
स्थान: मुंबई

A Kirloskar Group Company

The mark 'Kirloskar' in the status in line is owned by Kirloskar Proprietary Limited and ARKA Fincap Limited is the permitted user.

किसान किताब, आधार कार्ड सुधार और जॉब कार्ड बन रहे, अब गांवों में हो रहा त्वरित समाधान

सुशासन तिहार की बदौलत समाधान खुद पहुंचता है दरवाजे पर

रायगढ़ जिले में सुशासन तिहार के तहत आधार कार्ड बनवाने या उसमें सुधार के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है

संवाददाता ● रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित सुशासन तिहार आम जनमानस के लिए राहत और विश्वास का प्रतीक बनकर उभरा है। इस अभियान के अंतर्गत अब सरकारी योजनाओं और सेवाओं की "होम डिलीवरी" हो रही है। समस्याएं अब लोगों को प्रशासनिक दफ्तरों में नहीं ले जातीं, बल्कि समाधान खुद उनके घर पहुंच रहा है।

विश्वास

रायगढ़ जिले में सुशासन तिहार के तहत आधार कार्ड बनवाने या उसमें सुधार के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन की टीमें गांव-गांव जाकर आवेदनों का निराकरण कर रही हैं। ग्राम पंचायत दर्रामुड़ा निवासी अनुज कुमार निषाद के बेटे गौरव निषाद के आधार कार्ड में त्रुटि के चलते उसका छात्र आईडी नहीं बन पा रहा था। सुशासन तिहार के माध्यम से मिले आवेदन पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सुधार प्रक्रिया पूर्ण की गई।

ग्राम कांटाहरदी निवासी किसान श्री देवेंद्र सिदार ने किसान किताब की द्वितीय प्रति के लिए सुशासन तिहार में आवेदन दिया था। प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए पटवारी को उनके निवास पर भेजा। दस्तावेजों की जांच और मिलान उपरांत उन्हें उनके घर पर ही किसान किताब की प्रति सौंपी गई। इस सेवा से अभिभूत होकर श्री सिदार ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह पहल शासन-प्रशासन की संवेदनशीलता और पारदर्शिता का प्रमाण है।

डूमरपाली की श्रीमती दिव्या साहू ने जॉब कार्ड के लिए आवेदन किया था। सुशासन तिहार की सक्रियता का परिणाम यह रहा कि रोजगार सहायक स्वयं उनके घर पहुंचे और सभी औपचारिकताएं पूरी कर उन्हें हाथों-हाथ जॉब कार्ड सौंपा। दिव्या साहू ने कहा कि यह पहली बार महसूस हुआ कि सरकार की योजनाएं वास्तव में हमारे दरवाजे तक पहुंची है। इसी प्रकार छोटे मुड़पार की जानकी कुमारी पटेल और भावना महंत को भी मनरेगा कार्ड उनके घर पहुंचाकर दिया गया।

जिले भर से प्राप्त आवेदनों का त्वरित समाधान और नागरिकों को घर बैठे योजनाओं का लाभ मिलने से सुशासन तिहार लोगों के बीच एक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। ग्रामीणों ने इसे शासन की जवाबदेही और जनता के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण का प्रतीक बताया है।

ऐसे ही प्रयासों के तहत सामाजिक उद्यमिता और कौशल विकास पर बातचीत के लिए हम हर साल इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करते हैं। आईसेक्ट पिछले चार दशकों से जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण के लिए प्रतिबद्ध है। इस कड़ी में यह राष्ट्रीय सम्मेलन केवल एक कार्यक्रम नहीं है बल्कि एक सामूहिक प्रयास और व्यावहारिक संवादों के माध्यम से हमारे महान राष्ट्र की क्षमता को साकार करने की दिशा में एक आंदोलन है।"

विराट कोहली 73 रनों पर नाबाद रहे

रॉयल चैलेंजर्स ने पंजाब किंग्स को सात विकेट से हराया

एजेंसी ● चंडीगढ़

आईपीएल 2025 के 37वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को उनके घर पर हरा दिया है। टीम ने अब तक100 प्रतिशत जीत का रिकॉर्ड बरकरार रखा है। आरसीबी ने जो तीन मैच गंवाए हैं, वह अपने घरेलू मैदान पर गंवाए हैं। घर से बाहर टीम ने अपने पांचों मैच जीते हैं। बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब की टीम 20 ओवर में छह विकेट गंवाकर 157 रन बना सकी। जवाब में बेंगलुरु ने 18.5 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

विराट अर्धशतक

विराट कोहली 73 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं, देवदत्त पडिक्कल ने 61 रन बनाए। इस जीत के साथ बेंगलुरु की टीम 10 अंक लेकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर आ गई है। वहीं, पंजाब की टीम चौथे स्थान पर लुढ़क गई है। उसके भी 10 अंक हैं। पंजाब ने अब तक आठ में से पांच मैच जीते हैं और तीन में हार का सामना करना पड़ा है। बेंगलुरु का अगला मैच 24 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स से बेंगलुरु में है। वहीं, पंजाब का अगला मैच कोलकाता नाइट राइडर्स से ईडन गार्डेंस में है। इससे पहले क्रुणाल पांड्या और सुयश शर्मा ने अच्छी गेंदबाजी की थी और दो-दो विकेट लिए थे। पंजाब को कम स्कोर पर रोकने में इनका अहम योगदान रहा था। पंजाब के लिए प्रभसिमरन सिंह ने सबसे ज्यादा 33 रन बनाए थे।
इससे पहले पंजाब ने 20 ओवर के बाद छह विकेट गंवाकर 157 रन बनाए। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब की शुरुआत अच्छी रही थी। प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह ने 26 गेंद में 42 रन जोड़े थे। इसके बाद हालांकि, पंजाब का मध्यक्रम लड़खड़ा गया और टीम का स्कोर 68 रन पर तीन विकेट हो गया। पंजाब की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अच्छी शुरुआत की। प्रियांश आर्याम और प्रभसिमरन सिंह ने 26 गेंद में 42 रन की ओपनिंग साझेदारी निभाई।

क्रुणाल ने पांचवें ओवर में प्रियांश को टिम डेविड के हाथों कैच कराया। फिर उन्होंने सातवें ओवर में प्रभसिमरन सिह को भी डेविड के हाथों कैच कराया। प्रियांश 15 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 22 रन और प्रभसिमरन 17 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बना सके। इसके बाद श्रेयस खराब शॉट खेलकर आउट हुए। वह रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर क्रुणाल को कैच थमा बैठे। श्रेयस 10 गेंद में छह रन बना सके।

पंजाब को 42 के स्कोर पर पांचवें ओवर में पहला झटका लगा। क्रुणाल पांड्या ने अपने पहले ही ओवर में प्रियांश आर्या को टिम डेविड के हाथों कैच कराया। प्रियांश ने प्रभसिमरन के साथ मिलकर पंजाब को तूफानी शुरुआत दिलाई थी। दोनों ने 26 गेंद में 42 रन की साझेदारी निभाई। प्रियांश 15 गेंद में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाकर आउट हुए। 62 के स्कोर पर सातवें ओवर में पंजाब को दूसरा झटका लगा। क्रुणाल पांड्या ने प्रभसिमरन सिंह को टिम डेविड के हाथों कैच कराया। प्रभसिमरन 17 गेंद में पांच चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाकर आउट हुए। इससे पहले क्रुणाल ने प्रियांश आर्या को भी डेविड के हाथों कैच कराया था। वह 22 रन बना सके थे। श्रेयस अय्यर लगातार तीसरे मैच में फेल हुए। पंजाब को आठवें ओवर में बड़ा झटका लगा। 68 के स्कोर पर पंजाब की टीम को तीसरा झटका लगा। श्रेयस 10 गेंद में छह रन बनाकर आउट हुए। 76 के स्कोर पर पंजाब को चौथा झटका लगा। जोश इंगलिस और नेहल वढेरा के बीच क्रीज पर गलतफहमी की वजह से नेहल को रन आउट होना पड़ा।

पंजाब को 112 के स्कोर पर पांचवां झटका लगा। 14वें ओवर में सुयश शर्मा ने जोश इंगलिस को क्लीन बोल्ड किया। इंगलिस ने शशांक सिंह के साथ पांचवें विकेट के लिए 36 रन की साझेदारी निभाई। 14वें ओवर में लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने गजब की गेंदबाजी की और दो विकेट झटके। उन्होंने सबसे पहले ओवर की दूसरी गेंद पर जोश इंगलिस को क्लीन बोल्ड किया। इंगलिस 17 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 29 रन बना सके। 6 ओवर के बाद पंजाब ने छह विकेट गंवाकर 129 रन बना लिए हैं। फिलहाल मार्को यानसेन और शशांक सिंह क्रीज पर हैं। अच्छी शुरुआत के बावजूद पंजाब की टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पाई है।

बिजनेस न्यूज

आकाश इंस्टीट्यूट इंदौर के 24 छात्रों ने जेईई मेन्स 25 में हासिल किए 99 परसेंटाइल

संवाददाता ● इंदौर

टेस्ट प्रिपरेटरी सेवाओं में देशभर में अग्रणी आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने जेईई मेन्स 2025 (सेशन 2) में अपने छात्रों की शानदार सफलता की घोषणा की है। मध्य प्रदेश से कुल 43 छात्रों ने 99 परसेंटाइल या उससे अधिक स्कोर किया, जिनमें से 24 छात्र अकेले इंदौर से हैं, जो शहर की अकादमिक श्रेष्ठता को दर्शाता है। इंदौर के देव कौरव ने 99.99 परसेंटाइल और ऑल इंडिया रैंक 169 के साथ राज्य में टॉप किया है।

इंदौर के अन्य शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्र इस प्रकार हैः अनय अग्रवाल (99.94), प्रांजल राठौर (99.91), हर्षित अग्रवाल (99.88), अशुतोष सिंह (99.87), गगन गोयल (99.78), मृदुल पाल (99.78), आर्यमन पाठक (99.77), स्तुति जैन (99.74), अभय जैन (99.72), उत्कर्ष अवधिया (99.69), वेदांत घाडगे (99.59), पार्थ मित्तल (99.58), मोहित राज (99.55), शिवराज सिंह (99.50), अर्पित श्रीवास्तव (99.46), वेद गुप्ता (99.44), अर्णव जैन (99.28), अक्षत कंसल (99.22), आदित्य शर्मा (99.12), ओम सिद्धार्थ (99.05), आदित्य राम (99.03), मिताली कुलकर्णी (99.01), और यांसी खत्री (99.00)।

राज्य स्तर पर, जबलपुर के 13, भोपाल के 2 और रीवा, सागर, उज्जैन, रतलाम, कटनी जैसे शहरों के छात्र भी टॉपर्स में शामिल हैं। ये शानदार परिणाम इस बात का प्रमाण हैं कि सही मार्गदर्शन और कठोर परिश्रम से बड़ी सफलता प्राप्त की जा सकती है। राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (NTA) द्वारा आज परिणाम घोषित किए गए, जिससे इस वर्ष के दूसरे और अंतिम जेईई मेन्स सत्र का समापन हुआ। इनमें से अधिकांश छात्र आकाश के इंदौर क्लासरूम प्रोग्राम से जुड़े थे, जो छात्रों को IIT JEE जैसी प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षाओं के लिए तैयार करता है। छात्रों को बधाई देते हुए, डॉ. एच.आर. राव, चीफ एकेडमिक और बिजनेस हेड, आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने कहा, 'हमें इंदौर के छात्रों की इस अद्भुत उपलब्धि पर बेहद गर्व है। उनकी मेहनत, लगन और सही कोचिंग ने उन्हें इस ऊंचाई तक पहुँचाया है। हम उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।' जेईई मेन्स परीक्षा वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है ताकि छात्रों को स्कोर सुधारने के अधिक मौके मिल सकें। जेईई एडवांस के माध्यम से छात्र प्रतिष्ठित IITs में प्रवेश पाते हैं।

दो हार को पचा नहीं पा रही है राजस्थान रॉयल्स

इस तरह की हार को पचाना बहुत मुश्किल - बहुतुले

एजेंसी ● जयपुर

राजस्थान रॉयल्स के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने स्वीकार किया है कि आईपीएल में लगातार दो करीबी मैच हारना टीम के लिए मुश्किल भरा रहा है, लेकिन उन्होंने कहा कि इससे टीम में किसी तरह की घबराहट की कोई भावना नहीं है। लेकिन इस हार को पचा पाना मुश्किल है। रॉयल्स की टीम शनिवार रात लखनऊ सुपर जाएंट्स से दो रन से हार गई, जबकि उसने अपना पिछला मैच भी दिल्ली कैपिटल्स से सुपर ओवर में गंवा दिया था। आठ मैचों में सिर्फ दो जीत के साथ, राजस्थान अंक तालिका में आठवें स्थान पर है।

'परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहे'

बहुतुले ने मैच के बाद कहा, 'हम अच्छी क्रिकेट खेल रहे हैं। बात सिर्फ इतनी है कि परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहे। डगआउट में राहुल (द्रविड़) के होने से काफी शांति है। हमारी टीम में शामिल सभी लोगों ने पर्याप्त क्रिकेट खेली है और इसलिए किसी को भी किसी तरह से घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन दुर्भाग्य से हमें इस मैच में दो रन से और पिछले मैच में सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा।

खेल इसी तरह आगे बढ़ता है

उन्होंने कहा, 'इस तरह की करीबी हार को पचाना मुश्किल होता है, लेकिन खेल इसी तरह से आगे बढ़ता है। टी20 ऐसा प्रारूप है जिसमें बहुत जोखिम शामिल है।' बहुतुले ने कहा कि वे मैदान पर गलतियों को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमारा प्रयास गलतियों को कम करने का है। जब हमारी साझेदारी चल रही थी तो हम उसे कुछ ओवर पहले ही खत्म कर सकते थे। लेकिन आवेश ने 18वें और 20वें ओवर में अच्छी गेंदबाजी की। हमें चोटिल होने के कारण बाहर होने वाले कप्तान संजू सैमसन की कमी भी खली।'

संजू सैमसन की गैरमौजूदगी में राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी कर रहे रियान पराग ने आईपीएल में शनिवार को लखनऊ सुपरजाएंट्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए अधिकांश समय अच्छी स्थिति में होने के बावजूद दो रन की हार के बाद कहा कि उन्हें नहीं पता कि टीम ने क्या गलत किया। 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की 52 गेंद में चार छक्कों और पांच चौकों से 74 रन की पारी की बदौलत राजस्थान की टीम एक समय दो विकेट पर 156 रन बनाकर बेहद मजबूत स्थिति में थी, लेकिन आवेश खान (37 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने पांच विकेट पर 178 रन ही बना सकी।

आवेश ने 18वें ओवर में जायसवाल और पराग दोनों को आउट करके मैच का रुख सुपर जाएंट्स के पक्ष में मोड़ा। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने इससे पहले एडेन मार्करम की 45 गेंद में तीन छक्कों और पांच चौकों से 66 रन की पारी और आयुष बदोनी (50 रन, 34 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) के साथ चौथे विकेट की उनकी 76 रन की साझेदारी से पांच विकेट पर 180 रन बनाए। अब्दुल समद (नाबाद 30, 10 गेंद) ने पारी के अंतिम ओवर में संदीप शर्मा (51 रन पर एक विकेट) पर चार छक्कों से 27 रन जोड़े।

भावनाओं को बताना मुश्किल

पराग ने मैच के बाद कहा, 'भावनाओं को व्यक्त करना वाकई मुश्किल है। पता नहीं हमने क्या गलत किया। हम 18वें या 19वें ओवर तक मैच में बने हुए थे। मुझे नहीं पता। मैं खुद को दोषी मानता हूं। हमें 19वें ओवर में ही मैच खत्म कर देना चाहिए था। हमें एकजुट होकर खेलना होगा।' पराग ने कहा कि सुपर जाएंट्स की पारी का आखिरी ओवर दुर्भाग्यपूर्ण था जिसमें 27 रन बने। पराग ने कहा, 'आखिरी ओवर दुर्भाग्यपूर्ण था। मुझे लगा कि हम उन्हें 165-170 पर रोक सकते थे। हमने 20 रन अधिक दे दिए लेकिन हमें लक्ष्य को हासिल करना चाहिए था।'

14 साल वैभव की बल्लेबाजी के मुरीद हुए पिचाई

गूगल के सीईओ ने कहा- क्या शानदार डेब्यू किया है!

एजेंसी ● जयपुर

लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को डेब्यू का मौका दिया। इसी के साथ वह आईपीएल में डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। इस मुकाबले में उन्होंने पहली ही गेंद पर छक्का जड़कर अपने इरादे जाहिर कर दिए। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी को देखकर हर कोई हैरान रह गया। यहां तक कि गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई भी खुद को वैभव की तारीफ करने से रोक नहीं पाए। उन्होंने अपने एक्स हैंडल से लिखा- '8वीं क्लास के बच्चे को आईपीएल में खेलते देखने के लिए उठा!!!! क्या शानदार डेब्यू किया है!'

दो चौके और तीन छक्के

लखनऊ के खिलाफ वैभव ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली गेंद पर जोरदार छक्का जड़ा और फैंस का दिल जीत लिया। इस दौरान बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 20 गेंदों में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 34 रनों की शानदार पारी खेली। उन्हें ऋषभ पंत ने स्टंप आउट किया। बिहार के युवा बल्लेबाज की धमाकेदार बल्लेबाजी देखकर गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई भी प्रभावित हुए। उन्होंने अपने एक्स हैंडल से लिखा- '8वीं क्लास के बच्चे को IPL में खेलते देखने के लिए उठा!!!! क्या शानदार डेब्यू किया है!' आईपीएल 2025 के लिए पिछले साल हुई मेगा नीलामी में वैभव सूर्यवंशी को राजस्थान रॉयल्स ने 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था। इस खिलाड़ी का आधार मूल्य 30 लाख रुपये था और वह अपने बेस प्राइस से लगभग चार गुना ज्यादा दाम पर बिके। वह आईपीएल नीलामी इतिहास में बिकने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए थे। बिहार के वैभव ने सिर्फ 13 साल और 242 दिनों की उम्र में आईपीएल नीलामी के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में इतिहास रच दिया था।

वीरेंद्र सहवाग ने जताई नाराजी

'मैक्सवेल-लिविंगस्टोन छुट्टियां मनाने आते हैं'

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का गुस्सा ग्लेन मैक्सवेल और लियाम लिविंगस्टोन जैसे खिलाड़ियों पर फूटा है। सहवाग का कहना है कि इन दो खिलाड़ियों में जीत की भूख कम हो गई है और वे अपनी आईपीएल टीम के लिए योगदान देना भी नहीं चाहते हैं। सहवाग ने इन दोनों खिलाड़ियों की आलोचना करते हुए कहा कि ये बस यहां छुट्टियां मनाने आते हैं।

सहवाग ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैक्सवेल और लिविंगस्टोन की भूख खत्म हो गई है। ये यहां बस छुट्टियां मनाने आते हैं। ये यहां आते हैं, मजा करते हैं और चले जाते हैं। इन लोगों में अपनी टीम के लिए लड़ने का जज्बा भी नजर नहीं आता है।' मैक्सवेल अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, लेकिन आईपीएल 2025 में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऑस्ट्रेलिया के इस ऑलराउंडर खिलाड़ी ने छह मैचों में 8.20 के औसत और करीब 100 के स्ट्राइक रेट से 41 रन बनाए हैं। गेंदबाजी भी उन्होंने चार विकेट लिए हैं और उनकी इकॉनोमी 8.46 की रही है। दूसरी तरफ, लियाम लिविंगस्टोन ने कुछ दम दिखाया और सात मैचों में 87 रन बनाए जिसमें एक अर्धशतक भी शामिल है, लेकिन उनका औसत 17.40 का है। आरसीबी ने लिविंगस्टोन के लिए मेगा नीलामी में 8.75 करोड़ रुपये खर्च किए थे। गेंदबाजी में भी लिविंगस्टोन कुछ खास नहीं कर सके और उन्होंने सिर्फ दो विकेट लिए हैं।

आवेश खान ने कहा यार्कर मेरा मुख्य हथियार है

आवेश की यार्कर के सामने राजस्थान नहीं बना सकी छह गेंद में नौ रन

एजेंसी ● जयपुर

लखनऊ सुपर जाएंट्स ने शनिवार को आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स पर दो रन की रोमांचक जीत हासिल की थी। डेथ ओवरों में आवेश खान ने यॉर्कर पर यॉर्कर गेंदें की, जिससे राजस्थान की टीम छह गेंद में नौ रन नहीं बना सकी थीं। जीत के बाद आवेश ने कहा है कि वह यॉर्कर पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे, जो मुश्किल परिस्थितियों में उनका मुख्य हथियार है। आवेश ने 18वें और 20वें ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए कुल मिलाकर 11 रन दिए। लखनऊ ने आखिरी तीन ओवरों में 25 रन का बचाव किया था।

आवेश ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं यॉर्कर फेंकना जारी रखने की कोशिश करूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि यॉर्कर मेरी सबसे अच्छी गेंद है। मैं हमेशा किसी भी स्थिति में यॉर्कर फेंकने की कोशिश करता हूं। आईपीएल में खुद पर भरोसा रखना महत्वपूर्ण होता है।' आवेश ने कहा कि वह किसी तरह से दबाव में नहीं थे क्योंकि जब वह 18वें ओवर में गेंदबाजी करने आए तो रॉयल्स जीत की ओर बढ़ रहा था और उसके आठ विकेट बचे हुए थे।

उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा अपनी रणनीति पर अमल करने की कोशिश करता हूं। जब भी मैं गेंदबाजी के लिए आता हूं तो किसी तरह के दबाव में नहीं रहता हूं। मैं जो भी गेंद करता हूं उस पर पूरा भरोसा रखता हूं।' आवेश ने कहा, 'आईपीएल में बड़े स्कोर बन रहे हैं और गेंदबाज काफी रन दे रहे हैं। पहले ओवर में मैंने भी 13 रन दिए लेकिन मैं हमेशा परिस्थितियों के अनुसार गेंदबाजी करता हूं और अपनी रणनीति को सही तरह से लागू करने पर ध्यान देता हूं।' इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि 18वें ओवर में यशस्वी जायसवाल और रियान पराग के आउट होने से लखनऊ को काफी फायदा मिला क्योंकि इससे डेथ ओवरों में दो नए बल्लेबाज क्रीज पर थे। उन्होंने कहा, 'अगर कोई नया बल्लेबाज आता है, तो उसके लिए यह इतना आसान नहीं होता है [illegible], किसी भी स्थिति में आना मुश्किल होता है, ख[illegible]ीचे रह रही हो।'

कैच छूटने पर निराश था

मध्य प्रदेश के तेज गेंदबाज ने कहा कि जब डेविड मिलर ने शुभम दुबे का कैच छोड़ा तो वह थोड़ा तनाव में थे। दुबे ने दो रन लिए जबकि रॉयल्स को जीत के लिए आखिरी गेंद पर चार रन चाहिए थे। आवेश ने कहा, 'जैसे ही गेंद हवा में गई तो मैं सोच रहा था कि मिलर इसे पकड़ लेंगे। वह पूरी तरह से गेंद के नीचे थे। लेकिन जब कैच छूट गया तो मैं थोड़ा निराश हो गया। लेकिन मुझे आखिरी गेंद पर चार रन बचाने का भरोसा था।' आवेश ने कहा कि वह रोमांचक जीत का जश्न नहीं मना सके क्योंकि दुबे का शॉट फील्डर के पास जाने से पहले उनके टखने पर लगा था। उन्होंने कहा, 'मुझे जश्न मनाने का मौका भी नहीं मिला। शुरु में मुझे लगा कि गेंद मेरी हड्डी पर लगी है। मैं आसमान की तरफ देख रहा था और मुझे अपनी आंखें बंद करनी पड़ी।'

दैनिक अदित्य भारत
!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
सदैव सत्य के साथ...

चांगथांग पठार के पार चलें...

लद्दाख,
एक खानाबदोश चरवाहा अपनी पश्मीना बकरियों को चांगथांग पठार के पार ले जा रहा है

शॉट न्यूज

कर्नाटक : पूर्व डीजीपी की घर में हत्या

बंगलूरू। कर्नाटक के पूर्व डीजीपी ओम प्रकाश, जो 1981 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं, की बंगलूरू में उनके घर में हत्या कर दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स में इस घटना में परिवार के किसी करीबी सदस्य के शामिल होने का शक है। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

बता दें कि, 68 वर्षीय ओम प्रकाश मूल रूप से बिहार के चंपारण के निवासी थे। उन्हें 1 मार्च 2015 को पुलिस महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। वे पहले कर्नाटक होम गार्ड्स और फायर ब्रिगेड के महानिदेशक थे और 2015 से 2017 तक राज्य के पुलिस महानिदेशक भी रहे।

अभिनव को जान से मारने की धमकी

मुंबई। टीवी अभिनेता अभिनव शुक्ला को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया और अभिनव को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। यह धमकी रियलिटी शो बैटलग्राउंड में अभिनव के बिग बॉस 13 के प्रतियोगी और रैपर आसिम रियाज पर हालिया टिप्पणी के बाद आई। अभिनव ने अपने एक्स अकाउंट पर इंस्टाग्राम पर मिले धमकी भरे मैसेज का स्क्रीनशॉट साझा किया। यह मैसेज अंकुश गुप्ता नाम के एक यूजर ने भेजा था। इस मैसेज में गालियां थीं और 2024 में सलमान खान के घर के बाहर हुई गोलीबारी का जिक्र था।

रामबन में बाढ़-भूस्खलन सैकड़ों घर चपेट में

जम्मू-कश्मीर में बादल फटा 3 की मौत

एजेंसी ● श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में पिछले कई दिनों से बारिश हो रही है। रामबन जिले के सेरी बागना इलाके में रविवार सुबह बारिश के बाद बादल फटने से 3 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने करीब 100 लोगों को रेस्क्यू किया। सूत्रों ने बताया कि बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई। पहाड़ का मलबा गांव की तरफ आ गया, जिसके चपेट में कई लोग और घर आ गए। फिलहाल रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।

तबाही

उधर रामबन जिले के बनिहाल इलाके में कई जगह लैंडस्लाइड हुई हैं। इसकी वजह से जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे बंद कर दिया गया है। सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। किश्तवाड़-पद्दर मार्ग भी बंद है। यहां वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। अधिकारियों ने मौसम साफ होने के बाद ही हाईवे पर सफर करने की अपील की है। लैंडस्लाइड के कुछ वीडियो सामने आए हैं, जिसमें पहाड़ से मलबा गिरते देखा जा सकता है। कुछ इलाकों में पहाड़ का मलबा सड़कों और रिहायशी इलाकों तक पहुंच गया है। एक वीडियो में तीन-चार टैंकर और कुछ अन्य गाड़ियां मलबे में पूरी तरह दबी हुई दिख रही हैं। इसके अलावा होटल और घर भी मलबे से प्रभावित दिख रहे हैं। एक चश्मदीद ने बताया- जम्मू से श्रीनगर जाने के दौरान बारिश तेज हो गई तो मैंने रामबन मैं रुक गया। रात करीब 10 बजे मैंने होटल में चेकइन किया। रात करीब 3 बजे शोर-शराबे के बीच मेरी नींद खुली। मैं होटल से नीचे आया तो देखा पानी तेजी से ऊपर की ओर भर रहा था। नीचे का स्टाफ होटल छोड़कर भाग चुका था और हम सारे लोग फंस गए थे। चश्मदीद ने होटल की ओर इशारा करते हुए बताया कि यह होटल तीन मंजिला है। इसकी दो मंजिलें नीचे मलबे में दबी हुई हैं। यह तीसरी मंजिल दिख रही है। करीब 8-10 गाड़ियां नीचे दब गई हैं। मैंने 15 दिन पहले ही नई गाड़ी ली थी, वह भी मलबे में दबी है। उस समय हम 15 लोग ऊपर फंसे थे। होटल का कुछ स्टाफ जो ऊपरी फ्लोर पर था, वह भी फंस गया था। सामने का रास्ता बंद हो गया था। किसी तरह हम सभी ने होटल के पीछे से निकलकर अपनी जान बचाई।

निशिकांत के बयान पर एससीबीए ने जताई चिंता

एजेंसी ● नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के पूर्व अध्यक्ष अदिश सी. अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे की सुप्रीम कोर्ट पर टिप्पणी को लेकर गहरी चिंता जताई है। निशिकांत दुबे ने कथित तौर पर कहा था कि अगर सुप्रीम कोर्ट को ही कानून बनाना है तो फिर संसद को बंद कर देना चाहिए। उनके इस बयान पर कानूनी समुदाय ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

चिंता

वरिष्ठ वकील अग्रवाल ने इस टिप्पणी को चौकाने वाला करार दिया और कहा कि सत्तापक्ष के नेताओं की ओर से ऐसे बयान लोगों के मन में न्यापालिका पर भरोसा खत्म कर सकते हैं। पंजाब राज्य बनाम पंजाब के राज्यपाल के प्रधान सचिव और तमिलनाडु राज्य

बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट के 2023 के ऐतिहासिक फैसलों का जिक्र करते हुए अग्रवाल ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 में कोई तय समयसीमा नहीं है, इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति और राज्यपाल को विधेयकों पर फैसला लेने के लिए तीन महीने की एक तार्किक समयसीमा तय की और ये फैसला संविधान की सीमा में रहकर ही लिया गया। उन्होंने कहा, यह फैसला न्यायपालिका की सीमा लांघने का उदाहरण नहीं हैं। कोर्ट ने न तो राष्ट्रपति और न ही राज्यपाल को कोई आदेश दिया, बल्कि सिर्फ इतना कहा कि अगर तीन महीने से ज्यादा देर होती है तो उसमें उनकी स्वीकृति मानी जाएगी। अग्रवाल ने कहा कि अगर सरकार को कोर्ट की ओर से तय समयसीमा पर असहमति है, तो उसके पास कानून बनाने और मौजूदा प्रावधानों में संशोधन करने का अधिकार है। अग्रवाल ने न्यायपालिका के प्रति अब तक दिखाए गए सम्मान के लिए सरकार की सराहना की और प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया कि वे अपनी पार्टी के नेताओं को ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियां करने से रोकें, जो संविधान द्वारा स्थापित शक्तियों के संतुलन को कमजोर करती हैं और न्यायपालिक व कार्यपालिका के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को नुकसान पहुंचाती हैं।

उधर कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा की ओर से सांसद निशिकांत दुबे और दिनेश शर्मा पर किए गए ट्वीट पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, यह भाजपा का नया फैशन है। उनके कट्टरपंथी तत्व संविधान, तिरंगा और धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बोलेंगे और वे चुपचाप कहेंगे कि हम इस बयान से खुद को अलग रखते हैं। पीएम मोदी को निशिकांत दुबे के बयान के लिए देश से माफी मांगनी चाहिए।

पाकिस्तान : कुलभूषण अब ऊंची अदालत में अपील नहीं कर सकेंगे

सिर्फ कॉन्सुलर मदद मुहैया कराई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय नागरिक कुलभूषण जाधव को ऊपरी अदालत में अपील करने का अधिकार नहीं दिया गया है। यह जानकारी पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने 17 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान दी।

दरअसल पाक सुप्रीम कोर्ट में इमरान खान के समर्थकों की गिरफ्तारी से जुड़े मामले में सुनवाई चल रही थी। इस दौरान कोर्ट ने वकील से पूछा कि क्या कुलभूषण जाधव को अपील का अधिकार मिला था और अगर मिला था तो पाकिस्तान के नागरिकों को यह अधिकार क्यों नहीं? इस पर रक्षा मंत्रालय के वकील ने कहा कि जाधव को अपील का कोई अधिकार नहीं मिला था। जाधव 2016 से पाकिस्तान की जेल में बंद हैं। पाकिस्तान ने उन पर जासूसी करने का आरोप लगाया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक जाधव को 2019 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (ICJ) के फैसले के बाद सिर्फ कॉन्सुलर एक्सेस दिया गया था। कॉन्सुलर एक्सेस का प्रावधान होने पर आरोपी को हाई कमीशन के जरिए मदद मिलती है। पाकिस्तानी सेना ने 3 मार्च 2016 को बताया था कि उसने कुलभूषण जाधव को बलूचिस्तान प्रांत से गिरफ्तार किया था। पाकिस्तान ने कुलभूषण पर जासूसी और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया था।

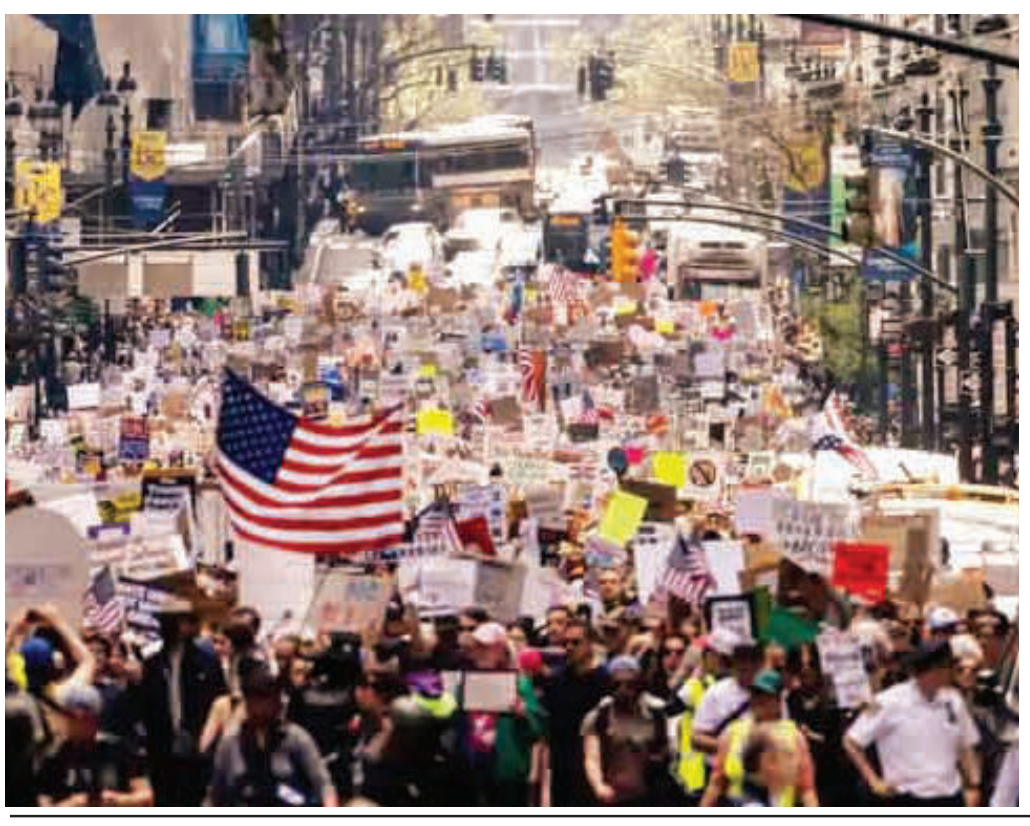

अमेरिका में टैरिफ वॉर की नीतियों, सरकारी नौकरियों में छंटनी का विरोध

डोनाल्ड ट्रम्प को अल सल्वाडोर जेल भेजें, हजारों ने घेरा राष्ट्रपति आवास

एजेंसी ● वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ शनिवार को हजारों प्रदर्शनकारी एक बार फिर सड़कों पर उतर आए। ये प्रदर्शन सभी 50 राज्यों में हुए। प्रदर्शनकारी ट्रम्प की टैरिफ वॉर की नीतियों, सरकारी नौकरियों में छंटनी का विरोध कर रहे हैं। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति आवास व्हाइट हाउस का घेराव किया। लोगों ने ट्रम्प पर नागरिक और कानून के शासन को कुचलने का आरोप लगाया। इस आंदोलन को 50501 नाम दिया गया है, जिसका मतलब 50 विरोध प्रदर्शन, 50 राज्य, 1 आंदोलन है।

विरोध

प्रदर्शनकारियों ने व्हाइट हाउस के अलावा टेस्ला के शोरूम का भी घेराव किया। ट्रम्प के खिलाफ प्रदर्शनों का यह दूसरा दौर है। इससे पहले 5 अप्रैल को ट्रम्प के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हुए थे। राजधानी वॉशिंगटन डीसी समेत सभी राज्यों में प्रदर्शन की बड़ी वजह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और कारोबारी इलॉन मस्क की आक्रामक नीतियां हैं। इलॉन मस्क का दक्षता विभाग लगातार सरकारी विभागों में छंटनी कर रहा है। अब तक हजारों सरकारी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जा चुका है। दूसरी तरफ डोनाल्ड ट्रम्प की अप्रवासियों पर कार्रवाई और दूसरे देशों पर टैरिफ लगाने की सख्त पॉलिसी भी इन प्रदर्शनों की एक बड़ी वजह है। ट्रम्प के टैरिफ वॉर से अमेरिका में दूसरे देशों से आने वाली चीजों के दाम बढ़े हैं। इसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ रहा है।

ट्रम्प के काम से खुश हैं 45% वोटर्स

अमेरिकी सर्वे एजेंसी गैलप के मुताबिक 45% अमेरिकी वोटर्स ट्रम्प के पहले 3 महीने के कामकाज से खुश हैं, जबकि ट्रम्प के पहले कार्यकाल के शुरुआती 3 महीनों में 41% वोटर्स ही उनके कामकाज से संतुष्ट थे। हालांकि यह बाकी राष्ट्रपतियों की तुलना में बेहद कम है। 1952 से 2020 के बीच सभी राष्ट्रपति की पहली तिमाही की औसत रेटिंग 60% है। इसकी तुलना में ट्रम्प की रेटिंग कम दिख रही है। एजेंसी के मुताबिक ट्रम्प के पदभार संभालने के वक्त उनकी रेटिंग 47% थी। इसमें भी गिरावट दर्ज हुई है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)